



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 199]
No. 199]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 6, 2002/श्रावण 15, 1924
NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 6, 2002/SRAVANA 15, 1924

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)
(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)
अधिसूचना
नई दिल्ली, 6 अगस्त, 2002
अंतिम निष्कर्ष

विषय : अमरीका, कोरिया (गणराज्य) और थाइलैंड मूल के अथवा वहां से निर्यातित एक्रिलिक फाइबर के आयातों से संबंधित पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा—अंतिम निष्कर्ष।

सं. 26/1/2001-डीजीएडी.— 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए:

क. **कार्य-पद्धति**

2. जांच के संबंध में निम्नलिखित कार्य-पद्धति अपनाई गई है:-

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) ने दिनांक 14.10.1997 के अंतिम निष्कर्षों की अधिसूचना सं. 47/एडीडी/आई डब्ल्यू और दिनांक 19.4.2000 की मध्यावधि समीक्षा अधिसूचना सं. 21/1/99 डीजीएडी के अनुसरण में अमरीका, कोरिया (गणराज्य) और थाइलैंड (जिन्हें इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) मूल के अथवा वहां से निर्यातित एक्रिलिक फाइबर (जिसे इसके बाद संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयात पर पाटनरोधी शुल्क लगाने हेतु निर्णायक समीक्षा जांच शुरू की थी। इस निर्णायक समीक्षा जांच की शुरुआत 7 अगस्त, 2001 की अधिसूचना सं. 26/1/2001 डीजीएडी द्वारा की गई थी।
- (ii) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित एक्रिलिक फाइबर के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क के बारे में इस निर्णायक समीक्षा शुरुआत को दिनांक 7 अगस्त, 2001 की अधिसूचना सं. 26/1/2001-डीजीएडी द्वारा अधिसूचित किया गया था। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने उन ज्ञात हितबद्ध पक्षों को जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की एक प्रति भेजी थी जो पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर उक्त निष्कर्षों पर अपने विचार, यदि कोई हों, प्रस्तुत करने के इच्छुक थे।
- (iii) प्राधिकारी ने एक्रिलिक फाइबर विनिर्माताओं के ज्ञात उद्योग संघों और फोरम को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति अग्रेषित कर अपने विचार लिखित में प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया था।

(iv) प्राधिकारी ने सभी ज्ञात निर्यातकों को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति प्रेषित करते हुए नियम 6(2) के अनुसार अपने विचार लिखित में प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। प्राधिकारी ने निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी थी:-

1. मैसर्स थाई एक्रिलिक फाइबर कं.लि.; थाइलैंड
2. मैसर्स हरिल सिंथेटिक फाइबर कं.लि.; सिओल, कोरिया।
3. ताएकवांग इंडस्ट्रीयल कं.लि.; सिओल, कोरिया
4. स्टालिंग फाइबर्स, इंक, अमरीका
5. साइटेक इंडस्ट्रीज इंक, अमरीका

केवल मैसर्स थाई एक्रिलिक फाइबर कं.लि., थाइलैंड ने प्रश्नावली का उत्तर दिया था।

(v) प्राधिकारी ने नियम 6(5) के अनुसार भारत में एक्रिलिक फाइबर के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों और उपभोक्ताओं को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति अग्रेषित की थी (जिनके ब्यौरे मूल जांच में याचिकाकर्ताओं द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) और उन्हें यह सलाह दी थी कि वह पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचार लिखित में प्रस्तुत करें-

1. मैसर्स राजस्थान स्पिनिंग एवं विविंग मिल्स लि. नई दिल्ली
2. सिद्धार्थ सुपर स्पिनिंग मिल्स लि., नई दिल्ली
3. आधिनाथ टेक्सटाइल्स लि., पंजाब
4. वर्धमान स्पिनिंग एंड जनरल मिल्स, पंजाब
5. मैसर्स माल्वा कॉटन स्पिनिंग मिल्स मि०, पंजाब
6. मैसर्स विन्सोम टेक्सटाइल लि., चण्डीगढ़
7. मैसर्स भिवानी टेक्सटाइल मिल्स, हरियाणा
8. श्रुति सिंथेटिकस लि., राजस्थान
9. नाहर स्पिनिंग मिल्स लि., पंजाब
10. इंडियन स्पिनर्स एसोसिएशन, मुंबई
11. मैसर्स सुप्रीम नॉनवोवन्स लि., मुंबई

(vi) प्राधिकारी ने नियम 6(2) के अनुसार, नई दिल्ली में संबद्ध देशों के दूतावासों को जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना इस अनुरोध के साथ अग्रेषित की थी कि वह अपने-अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें। संबंधित दूतावासों को निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक-एक प्रति भी ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की एक सूची के साथ भेजी गई थी।

(vii) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षों को 10.1.2002 को हुई सार्वजनिक सुनवाई में अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। अपने विचार रखने वाले सभी पक्षों को उनके द्वारा व्यक्त किए गए विचारों को लिखित में प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था। पक्षों को विरोधी पक्षों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रतियां प्राप्त कर उन पर खण्डन, यदि कोई हो, प्रस्तुत करने की सलाह दी गई थी;

(viii) ज्ञात हितबद्ध पक्षों के अतिरिक्त जांच के दौरान निम्नलिखित पक्षों ने उत्तर/सूचना प्रस्तुत की थी:-

1. सतलज इंडस्ट्रीज लि०, मुम्बई
2. एपीएम इंडस्ट्रीज लि०, (यूनिट: ओरिएण्ट सिंटेक्स), नई दिल्ली
3. दीपक स्पिनर्स लि., चण्डीगढ़-160019

- (ix) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत सभी साक्ष्यों के गोपनीय अंश वाली सरकारी फाइल अनुरोध पर सभी हितबद्ध पक्षों को उपलब्ध कराई थी;
 - (x) हितबद्ध पक्षों द्वारा दिए गए तर्कों पर इन निष्कर्षों में उचित कार्रवाई की गई है;
 - (xi) उपरोक्त नियम-16 के अनुसार, इन निष्कर्षों के लिए जिन आवश्यक तथ्यों/आधार पर विचार किया गया था उनका प्रकटीकरण 22 जुलाई, 2002 को ज्ञात हितबद्ध पक्षों को कर दिया गया था और उस पर प्राप्त टिप्पणियों पर इन निष्कर्षों में विधिवत विचार किया गया है;
 - (xii) वर्तमान निर्णायक समीक्षा के लिए जाँच अवधि 1 अप्रैल, 2000 से 31 मार्च, 2001 है।
- (XIII) *** इस अधिसूचना में हितबद्ध पक्ष द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई और नियमों के तहत प्राधिकारी द्वारा इस प्रकार मानी गई सूचना दर्शायी गई है:-

(ख) विचाराधीन उत्पाद

3. वर्तमान जाँच में निहित उत्पाद, एक्रीलिक फाइबर है। एक्रीलिक फाइबर; सिन्थेटिक पॉलीमर एक लम्बी श्रृंखला होती है जो भार द्वारा कम से कम 85% एक्रीलोनाइड्राइल जो कि एक्रीलिक फाइबर के उत्पादन के लिए एक प्रमुख कच्ची सामग्री है, से बनी होती है। एक्रीलिक फाइबर को सीमा शुल्क टैरिफ नियम 1975 की अनुसूची-1 के उपशीर्ष 550330 और भारतीय व्यापार वर्गीकरण (सुमेलित जिन्स विवरण के आधार पर) के तहत 55033000 के तहत वर्गीकृत किया गया है। तथापि, सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक हैं और यह वर्तमान जाँच के कार्य क्षेत्र पर किसी प्रकार बाध्यकारी नहीं है।

मैसर्स थाई एक्रीलिक फाइबर कम्पनी लि0 द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रतिवेदन

4. मौजूदा सनसेट समीक्षा, मात्र जाँच की एक पुनरीक्षा है जो मूलतः 13.9.1996 को शुरू हुई थी। जाँच के तहत पाटनरोधी शुल्क के तहत लाए गए उत्पाद का कार्यक्षेत्र वही है और वही होना चाहिए जो मूल जाँच के तहत था। मूल जाँच में भी उत्पाद को कस्टम कोड 5503.30 के तहत पड़ने वाले एक्रीलिक फाइबर के रूप में परिभाषित किया गया था। तथापि, दिनांक 31.3.1997 के प्रारंभिक निष्कर्षों के पैरा 50 में अध्याय 55 के तहत आने वाले सभी एक्रीलिक फाइबर के बारे में पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की गई थी। तथापि, इससे उस उत्पाद के कार्यक्षेत्र में परिवर्तन नहीं आया जिसे जाँच के तहत तथा पाटनरोधी शुल्क के तहत लाया गया था।
5. मौजूदा याचिका में घरेलू उद्योग द्वारा उत्पाद को 5501.30 के तहत आने वाला सिन्थेटिक फिलामेन्ट टो और 5503.30 के तहत आने वाला सिन्थेटिक स्टेपल फाइबर दोनों को कवर करने वाले उत्पाद के रूप में निर्दिष्ट किया गया है। सीमा शुल्क टैरिफ की विभिन्न टैरिफ प्रविष्टियों के तहत पड़ने वाले उत्पाद को अलग और विशिष्ट प्रकार के उत्पाद के रूप में मान्यता दी जाती है। यद्यपि एक सिंगल टैरिफ प्रविष्टियों के द्वारा विभिन्न उत्पादों को कवर किया जा सकता है, तथापि विभिन्न टैरिफ मदें एक ही प्रकार की मद को कवर नहीं कर सकती। घरेलू उद्योग जिस उत्पाद पर पाटन रोधी शुल्क चाहता था वह एक्रीलिक फाइबर थी। मूलतः, जाँच केवल इस मद तक सीमित की गई थी तदन्तर, यह प्रतीत होता है कि दूसरे उत्पाद को, पुनरीक्षा और जाँच के कार्यक्षेत्र की विवेचना किए वगैर जाँच के दायरे में लाया गया।
6. आयात के जिन आंकड़ों पर याचिकाकर्ता और प्राधिकारियों ने भरोसा किया है अपनी मूल जाँच के दौरान उसमें 5503.30 के अधीन आने वाला केवल एक्रीलिक फाइबर ही शामिल है, यह समझ नहीं आता कि याचिका और उसके बाद पुनरीक्षा के दौरान निकाले गये निष्कर्षों में 5501.30 के अधीन आने वाले एक्रीलिक टो को इसमें कैसे शामिल कर लिया गया। वर्ष 93-94 के दौरान भी 5501.30 के अधीन 1859.370 मीट्रिक टन एक्रीलिक टो

का आयात किया गया था। इसलिए, एक्रिलिक टो को जाँच व परिधि में गलती से लाया गया है।

7. अतः 5503.30 के अधीन आने वाले एक्रिलिक फाइबर तक ही जाँच सीमित रहनी चाहिए। सामग्री की क्षति का मूल्यांकन करने के लिए आयात के आंकड़े भी 5503.30 तक ही सीमित रहने चाहिए इस प्रकार के उपायों से बाद में देशी उद्योगों को जाँच की परिधि बढ़ाने की भी अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

इंडियन स्पिनर्स एसो0 द्वारा किया गया अनुरोध

8. अधिसूचना सं0 26/1/2001-डीजीएडी दि0 7.8.2001 के अनुसार विचाराधीन उत्पाद एक्रिलिक फाइबर है जो कि कस्टम टैरिफ एक्ट की अनुसूची-1 के उपशीर्ष सं0 550330 के अधीन वर्गीकृत है। इसका अर्थ यह होगा कि मद सं0 5503.30 के अधीन आने वाला फाइबर या उपशीर्ष नं0 5501.30 के अधीन आने वाले एक्रिलिक या मोडाक्रिलिक टो को जाँच की परिधि से बाहर है।

स्वदेशी उद्योगों द्वारा किये गये अनुरोध

9. वर्तमान जाँच में विचाराधीन उत्पाद एक्रिलिक फाइबर है, चाहे उसकी श्रेणी या किस्म कुछ भी हो, भले ही वह 'टो' हो या 'टॉप' हो। सभी किस्में शुल्क के प्रभाव क्षेत्र में आती हैं। चूंकि सभी किस्में शुल्क की परिधि में आती हैं इसलिए सभी किस्में वर्तमान समीक्षा के दायरे में आती हैं। प्रारम्भिक अधिसूचना में भी यह बात स्पष्ट रूप से बता दी गई है कि सीमा शुल्क का वर्गीकरण केवल निदेशात्मक मात्र है और जाँच के दायरे के लिए बाध्यकारी नहीं है।
10. चूंकि यह एक समीक्षा जाँच है इसलिए इस जाँच में भी विचाराधीन उत्पाद बिल्कुल वहीं रहना चाहिए जो कि मुख्य जाँच में था। यह कस्टम टैरिफ एक्ट के उपशीर्ष 5501.30 और 5503.30 में वर्गीकृत है।
11. वर्तमान जाँच में उत्तर देने वाले एकमात्र निर्यातक ने उत्तर प्रश्नावली में, निर्यातक ने जाँच परिधि के 1.5 अस्वीकृति से 8.0 तक होने की बात का उल्लेख किया है। यह स्पष्ट किया जाता है कि वर्तमान जाँच के अधीन एक्रिलिक फाइबर की डेनियर्स आ जाती है।
12. जहाँ तक विभिन्न उत्पादों के लिए विभिन्न कस्टम दरों का प्रश्न है, विभिन्न उत्पादों के लिए विभिन्न कस्टम दरें और उत्पाद की विभिन्न किस्में दो अलग-अलग मुद्दे हैं। वास्तव में यह कहना ठीक नहीं है कि एक मद में विभिन्न टैरिफ मदें नहीं आ सकतीं। अनेक जाँचों के दौरान यह पाया गया है कि उत्पाद का आयात अनेक विभिन्न कस्टम वर्गीकरणों के अधीन किया गया है। यह नहीं कहा जा सकता कि उत्पाद का दायरा कस्टम वर्गीकरण से आगे नहीं जा सकता। हम अब तक पद नामित प्राधिकारियों द्वारा की गई अनेक जाँचों पर

भरोसा करते हैं जिनमें एक उत्पाद के लिए एकाधिक कस्टम वर्गीकरण एक कर दिये गये हैं।

13. जहाँ तक निर्यातक द्वारा किये गये इस अनुरोध का प्रश्न है कि विशेष रूप से यह स्पष्ट किया जाए कि केवल एक्रीलिक फाइबर पर ही शुल्क लगता है जो कि "कस्टम उपशीर्ष नं० 5503.30 के अधीन आता है ।" इस संदर्भ में हम इसी उत्पाद के बारे में पद नामित अधिकारी द्वारा पहले की गई जाँच में निकाले गये निष्कर्ष को मानते हैं ।

नामित प्राधिकारी द्वारा जाँच

14. पहले की जाँच में नामित प्राधिकारी द्वारा निकाले गये दिनांक 31.3.97 के प्रारम्भिक निष्कर्षों में इस बात की सिफारिश की गई थी कि कस्टम ट्रेरिफ के अध्याय 55 के अधीन आने वाले एक्रीलिक फाइबर के आयात पर पाटन रोधी शुल्क लगाया जाए । दिनांक 14.10.97 के अपने अंतिम निष्कर्षों में प्राधिकारी ने एक्रीलिक फाइबर के आयात पर पाटनरोधी शुल्क लगाने सम्बंधी अपने आंरभिक निष्कर्षों को पुष्ट किया है । इसी प्रकार, अधिसूचना सं० 21/1/99-डीजीएडी दि० 19.4.2000 के द्वारा अधिसूचित पुनरीक्षा निष्कर्षों में भी प्राधिकारी ने कस्टम ट्रेरिफ के अध्याय 55 के अधीन आने वाले एक्रीलिक फाइबर पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी । जैसाकि दि० 7.8.2001 की प्रारम्भिक अधिसूचना के पैरा-1 में बताया गया है कि उसमें उल्लिखित कस्टम/आईटीसी वर्गीकरण केवल निदेशात्मक मात्र है और किसी भी प्रकार से जाँच के लिए बाध्यकारी नहीं है । अतः जाँच और/अथवा पाटनरोधी शुल्क लगाने के कार्य को कस्टम ट्रेरिफ वर्गीकरण की अनुसूची-1 के उपशीर्ष 550330 तक सीमित नहीं रखा जा सकता और किसी भी ऐसे एक्रीलिक फाइबर को जाँच के दायरे में लाया जा सकता है जो कस्टम ट्रेरिफ वर्गीकरण के अध्याय-55 के किसी भी उपशीर्ष के अधीन वर्गीकृत किया जा सकता हो ।

ग. समान वस्तु

15. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में यह विनिर्दिष्ट है कि "समान वस्तु" का तात्पर्य किसी ऐसी वस्तु से है जो जांचाधीन उत्पाद से हर प्रकार समनुरूप अथवा समान है अथवा ऐसी किसी वस्तु के अभाव में ऐसी अन्य वस्तु से है जिसकी विशेषताएं जांचाधीन वस्तु की विशेषताओं से अत्यधिक मिलती-जुलती है ।
16. प्राधिकारी यह भी पाते हैं कि इस बात का खंडन करते हुए कोई तर्क नहीं दिया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एक्रीलिक फाइबर में आयातित सामग्री से अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताएं हैं और वह वाणिज्यिक और तकनीकी दोनों रूप से संबद्ध देशों से आयातित एक्रीलिक फाइबर द्वारा प्रतिस्थापनीय है । अतः प्राधिकारी का यह विचार है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एक्रीलिक फाइबर को नियम 2(घ) के अर्थ के भीतर संयुक्त राज्य अमेरिका, कोरिया (रिपब्लिक) और थाईलैंड से निर्यातित उत्पाद की समान वस्तु माना जाए ।

घ. घरेलू उद्योग

मै0 थाई एक्रिलिक फाइबर कं0 लि0, थाईलैंड द्वारा किए गए अनुरोध

17. याचिका के भाग-II में 5 भारतीय उत्पादकों का उत्पादन दिया गया है। मै0 वर्धमान एक्रिलिक लि0 (वीएएल) एक उत्पादक है। याचिका में यह उल्लेख किया गया है कि उक्त उत्पादक वर्धमान स्पिनिंग, जो कि एक्रिलिक फाइबर का एक आयातक है, से संबद्ध है। अतः वीएएल को घरेलू उद्योग के क्षेत्र से बाहर रखा गया है। हमारा अनुरोध है कि घरेलू उद्योग द्वारा एकपक्षीय रूप से वीएएल को अलग रखना गलत है और ऐसा करना घरेलू उद्योग द्वारा निर्दिष्ट प्राधिकारी की शक्ति का प्रयोग करना है।
18. हमारा यह अनुरोध है कि देश में हुए आयातों की मात्रा बहुत कम है और अधिकांश आयात निर्यात उत्पादन में एक्रिलिक फाइबर का उपयोग करने के प्रयोजनार्थ लाइसेंस धारकों को बढ़ावा देने के लिए किए गए हैं। परिणामतः, वर्धमान स्पिनिंग द्वारा किया गया आयात, यदि कोई हो, वीएएल को घरेलू उद्योग से अलग नहीं रख सकेगा। हमारा अनुरोध है कि अलग रखने का यह कार्य जानबूझ कर किया गया है ताकि घरेलू उद्योग और क्षति संबंधी विश्लेषण संबंधी स्थिति को खराब किया जा सके।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

19. घरेलू उद्योग ने केवल तथ्यों का उल्लेख किया है और यह दावा किया है कि मै0 वर्धमान को जांच के क्षेत्र से बाहर रखा जाना चाहिए। निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट प्रतीत होते हैं कि कंपनी को वर्तमान जांच के क्षेत्र से बाहर रखना अपेक्षित है। तथापि, नामित प्राधिकारी इस बात को तर्कसंगत समझते हैं कि उस कम्पनी के संबंध में सूचना को शामिल किया जाए और संगत सूचना कभी भी उस कम्पनी से मंगाई जा सकती है। याचिकाकर्ता को भी अपने शामिल किए जाने पर कोई आपत्ति नहीं है।

नामित प्राधिकारी द्वारा जांच

20. घरेलू उद्योग द्वारा दी गई सूचना के आधार पर तीन उत्पादकों अर्थात (i) इंडियन एक्रिलिक लि0 (ii) कन्सोलिडेटेड फाइबर्स और केमिकल लिमिटेड और (iii) मैसर्स पशुपति एक्रिलोन लिमिटेड की हिस्सेदारी, घरेलू उत्पादन का 60% है, याचिका के अगोपनीय विवरण में उल्लेख किया है कि मैसर्स वर्धमान एक्रिलिक लिमिटेड, एक्रिलिक फाइबर का अन्य उत्पादक उस मैसर्स वर्धमान स्पिनिंग मिल लिमिटेड से संबंधित है जो कि एस0पी0ओसवाल समूह से संबंधित एक ग्रुप कम्पनी है। मैसर्स वर्धमान स्पिनिंग मिल, एक्रिलिक फाइबर का आयातक है और अतः वर्धमान एक्रिलिक लिमिटेड को घरेलू उत्पाद से बाहर रखा गया, अतः प्राधिकारी का विचार है कि ये तीन उत्पादक नियम 5(3) के संदर्भ में घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करते हैं क्योंकि वे एक्रिलिक फाइबर के घरेलू उत्पादन में अधिकतर की हिस्सेदारी रखते हैं।

ड. सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य और पाटनरोधी से संबंधित विषयों की जाँच

21. प्राधिकारी ने अधिनियम की धारा 9 क(1)(ग) के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के उद्देश्य से ज्ञात निर्यातकों और भारत में संबंध देशों के दूतावासों को प्रश्नावलियां भेजी। थाईलैंड से एकमात्र निर्यातक अर्थात् मैसर्स. थाई एक्रिलिक फाइबर कम्पनी लिमिटेड ने प्रश्नावलि के प्रति उत्तर भेजा। संयुक्त राज्य अमेरिका और कोरिया रिपब्लिक से किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया।

घरेलू उद्योग का विचार

22. यह इंगित करना तर्कसंगत है कि विगत वर्षों में नामित प्राधिकारी ने पाया है कि निर्यातक ने घरेलू बाजार में अपनी उत्पादन लागत से कम में काफी मात्रा में बिक्री की है। पिछली की गई दो समीक्षा जाँचों में भी नामित प्राधिकारी का यही निष्कर्ष रहा है। इस प्रकार की बिक्री को नियमों के अनुबंध-I के अनुसार अनदेखा किया जाना होता है। कोरिया से काफी मात्रा में निर्यात होता रहा है बावजूद इस तथ्य के कि इस प्रकार के निर्यातों पर काफी पाटनरोधी शुल्क लागू है। कोरिया के निर्यातकों ने विगत वर्षों में नामित प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया, संयुक्त राज्य अमेरिका के संबंध में भी यही स्थिति है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

थाईलैंड के संबंध में सामान्य मूल्य

23. धारा 9(क)(1)(ग) के अधीन किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है:
- (i) सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तुओं के लिए उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियम के अनुसार यथानिर्दिष्ट तुलनात्मक मूल्य जबकि ऐसी वस्तु निर्यातक देश या क्षेत्र में उपभोग के लिए आशयित हो ; या
 - (ii) जहाँ निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य अवधि के दौरान समान प्रकार की वस्तु की कोई बिक्री नहीं हो या विशेष बाजार दशा के कारण अथवा निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में बिक्रियों की कम मात्रा के कारण, ऐसी बिक्रियों की वजह से समुचित तुलना नहीं हो सकती हो तो सामान्य मूल्य या तो:-
 - (क) निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से आयात किए जाने पर समान प्रकार की वस्तु का उप-धारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथा निश्चित तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य ; या

- (ख) उप-धारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथा निश्चित प्रशासनिक बिक्री और सामान्य लागतों एवं लाभों के लिए उचित वृद्धि के साथ वस्तु मूल के देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत:

मैसर्स थाई एक्रिलिक फाइबर कम्पनी लि०, थाईलैण्ड ने प्रश्नावली के प्रति विस्तृत उत्तर दिया, जिसमें घरेलू बिक्री और भारत को निर्यात से संबंधित सूचना दी गई थी। प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा दी गई सूचना की स्पॉट जाँच भी की। यह पाया गया है कि निर्यातक की घरेलू बिक्री, व्यापार की सामान्य अवधि में रही है क्योंकि 80% अधिक की घरेलू बिक्री; उत्पादन लागत और प्रशासनिक बिक्री और सामान्य लागत से अधिक की रही है। अतः थाईलैण्ड के संबंध में सामान्य लागत, घरेलू बाजार में एक्रिलिक फाइबर के बिक्री मूल्य के आधार पर निर्धारित की गई है। दावा किए गए विभिन्न दावों की जांच की गई है। *** बाट का डिसकाउंट, *** बाट का अंतर्देशीय माल भाड़ा, *** बाट का ब्याज और *** बाट का गारंटीशुदा कमीशन के कारण समायोजनों पर विचार करने के बाद थाई निर्यातकों के लिए सामान्य *** बाट/किलोग्राम निर्धारित किया गया है।

अमेरिका और कोरिया के संदर्भ में सामान्य मूल्य

24. प्राधिकारी द्वारा जारी की गई प्रश्नावली का अमेरिका और कोरिया के किसी भी निर्यातक ने जवाब नहीं दिया और न ही कोई ऐसी जानकारी उपलब्ध कराई जो पाटन के निर्धारण से संबंध रखती हो। याचिकाकर्ता ने यह दावा किया है कि अमेरिका और कोरिया की ओर से पाटन जारी है और एक्रिलिक फाइबर के लिए उस सामान्य मूल्य का दावा किया है जो एक्रिलिक नाइट्रिल के प्रमुख कच्चे माल के लिए दी जाने वाली कीमत पर आधारित हो, और जिसे टैक्नो नाम के पत्रिका में प्रकाशित किया गया है। प्राधिकारी द्वारा निर्धारित जिस रूप में और जिस तरीके से सहयोग मांगा गया था उस तरह अमेरिका और कोरिया से सहयोग नहीं मिला, इस बात को देखते हुए नियम 6(8) के अनुसार यह पुष्टि की जाती है कि अमेरिका और कोरिया के सम्बन्ध में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर ही निष्कर्ष निकाले गये हैं। तदनुसार, प्राधिकारी ने स्वदेशी उद्योगों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर ही अमेरिका और कोरिया के संदर्भ में एक्रिलिक फाइबर के सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।

निर्यात कीमत

25. प्राधिकारी द्वारा भेजी गई प्रश्नावली का उत्तर अमेरिका और कोरिया के किसी भी निर्यातक ने नहीं दिया। प्रश्नावली का उत्तर कुछ निर्यातकों ने दिया है और जानकारी भी दी है जो इस प्रकार है:-
- (i) मैसर्स सतुलुज इण्डो लि०, - कोरिया से आयात दर्शाया है।
 - (ii) मैसर्स दीपक स्पिनर्स लिमि० - जापान, ताइवान से आयात के बारे में (जो कि इस जांच से संबंधित नहीं है); और

(iii) मैसर्स एओपीओएमओइण्ड्रो - जापान से आयात के बारे में (जो कि इस जांच से संबंधित नहीं है)।

प्राधिकारी ने अमेरिका ओर कोरिया के संदर्भ में निर्यात कीमत निर्धारित करने हेतु इस जांच के लिए उपलब्ध जानकारी पर डीजीसीआई एण्ड एस के आंकड़ों और निर्यातकों की जानकारी के अनुसार केवल वहीं तक विचार किया है जहां तक वे इस जांच से संबंधित हैं। समुद्री भाड़े, समुद्री बीमे, कमीशन, देश के भीतर ढुलाई और पत्तन प्रभार के लिए स्वदेशी उद्योग के दावे के अनुसार आवश्यक समायोजन की स्वीकृति दी है किन्तु कारखाना बाह्य निर्यात मूल्य तक पहुंचने के लिए एफ ओ बी मूल्य के 3% की दर से ही कमीशन स्वीकार किया है।

26. मैओ थाई एक्रिलिक फाइबर कंओ लिओ, थाईलैण्ड के संदर्भ में, निर्यातक द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर निर्यात मूल्य निर्धारित किया गया है। निर्यातक ने भारत को *** अमेरिकी डालर पर *** किलोग्राम की बिक्री की है। बिल की तारीख पर जो विनिमय दर विद्यमान थी उसके आधार पर अमेरिकी डालर को बाट में परिवर्तित कर लिया गया है। यह उर्पयुक्त नियम के नियम 6(iii) के अनुसार है। निर्यातक ने ड्रा बैंक के लिए - बाट/एमओटीओ का समायोजन दर्शाया है जिसकी जांच की गई और ठीक पाया गया। अन्य समायोजन निम्नलिखित पर खर्च की गई वास्तविक राशि के आधार पर अनुमत किया गया है डिस्काउंट/कमीशन - बाट/एमओटीओ, देशी भाड़ा - बाट/एमओटीओ समुद्री भाड़ा - बाट/एमओटीओ बीमा - बाट/एमओटीओ, नौवहन प्रभार - बाट/एमओटीओ और निकासी तथा हैडलिंग, बाट/एमओटीओ। इस प्रकार कारखाना बाह्य स्तर पर शुद्ध निर्यात मूल्य-बाट/किलोग्राम निर्धारित किया गया है।

पाटन मार्जन

पाटन मार्जन पर मैओ थाई एक्रिलिक फाइबर कंओ लिमिओ का अनुरोध

27. निर्यातक मैओ थाई एक्रिलिक ने सामान्य मूल्य के बारे में प्रकटीकरण को स्वीकार कर लिया है। जहां तक निर्यात मूल्य का प्रश्न है उन्होंने यह तर्क दिया है कि शुद्ध निर्यात मूल्य को कम बताया गया है जिसकी वजह से 12.39% का उच्च पाटन मार्जिन निकला है। उनके अनुसार इन्वाइस की तारीख पर विद्यमान निर्यात दर पर निर्यात मूल्य को थाई बाट में परिवर्तित करने के कारण गणना में अन्तर आ गया है। उनके अनुसार अमेरिकी निर्यात मूल्य को तुलना के लिए परिवर्तित करना आवश्यक नहीं था क्योंकि निर्यात की वसूली थाई बाट में ही की जाती है और लेखों में भी वास्तविक वसूली ही दर्शाई जाती है। निर्यातक के अनुसार तथ्य चाहे कुछ भी हो इस मामले में अनुबंध-1 का पैरा 6(iii) लागू नहीं होता।

प्राधिकारी द्वारा जॉच

28. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमों के अनुबंध-1 में निर्धारित प्रक्रिया को ही एक समान रखते हुए सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य और पाटन के मार्जिन के निर्धारण के लिए लागू होने वाले सिद्धांतों का पालन किया है। नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 6 में निर्धारित सिद्धांतों का अनुसरण करते हुए निर्यात मूल्य के साथ सामान्य मूल्य की सही तुलना के आधार पर पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है। यह तुलना व्यापार के समान स्तर पर की गई है, अर्थात् एक्स फैक्टरी स्तर पर।

29. सत्यापन के समय प्राधिकारी ने यह देखा कि निर्यातक अपने वही खातों में निर्यात बिक्री को जो कि अमेरिकी डालर में की गई है, बिल/बिक्री के दिन प्रचलित निर्यात दर पर थाई बाट में दर्ज करता है। निर्यात कीमत की वास्तविक वसूली बाद में किसी दिन होती है जबकि निर्यात की दरें भिन्न हो सकती हैं। इस निर्यात दर के कारण निर्यातक अपने खातों में समयोजन करता है। अन्य बातों के अलावा अनुबंध-1 का नियम 6(iii) कहता है कि:- "जब इस पैरा के अधीन मुद्राओं का परिवर्तन अपेक्षित हो तब यह परिवर्तन करने के लिए बिक्री के दिन प्रचलित विनियम दर को व्यवहार में लाना चाहिए"।

पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के उद्देश्य के लिए अनुबंध-1 के नियम 6(iii) के उपबंध जैसा कि ऊपर कहा गया है, स्पष्ट और असंदिग्ध हैं। अतः प्राधिकारी ने भारत को निर्यात सौदे के लिए बिक्री की तारीख को, अमेरिकी डालर और थाई बाट के बीच विनियम दर पर विचार किया है। प्राधिकारी, निर्यातक के तर्क को ठीक नहीं पाते हैं कि पैरा 6(iii) का इस मामले में कोई प्रयोजन नहीं है क्योंकि निर्यातक स्वयं ही, एक दी गई निर्धारित दर पर अमेरिकी डालर को बाट में बदल कर अपनी लेखा-पुस्तिका में भारत को होने वाली निर्यात बिक्री को दर्ज करते हैं।

तदनुसार, मैसर्स थाई एक्रिलिक फाइबर कम्पनी लि0 के संबंध में पाटन मार्जिन निर्यात मूल्य के 12.39% पर निर्धारित किया गया है।

थाईलैण्ड के अन्य निर्यातकों के संबंध में पाटन मार्जिन

30. थाईलैण्ड से अन्य निर्यातकों के संबंध में, यदि कोई हो, प्राधिकारी ने उपलब्ध सूचना के आधार पर मैसर्स थाई एक्रिलिक फाइबर के लिए यथानिर्धारित सामान्य मूल्य और निम्नतम निर्यात मूल्य को ध्यान में रखते हुए पाटन मार्जिन का निर्धारण किया है। पाटन मार्जिन, निर्यात मूल्य का 27.46% निर्धारित किया गया है।

संयुक्त राज्य अमेरिका और कोरिया के संबंध में पाटन मार्जिन

31. प्राधिकारी ने किन्हीं भी निर्यातकों से सहयोग न मिलने के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका और कोरिया से सभी निर्यातकों के लिए कामन पाटन मार्जिन तैयार किया है।

च. क्षति

घरेलू उद्योग का दृष्टिकोण

32. नामित प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करनी अपेक्षित है कि क्या मौजूदा शुल्क को हटाने से पाटन और क्षति होने या इनकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है। अतः घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति की, क्षति के जारी रहने अथवा इसकी पुनरावृत्ति होने के संदर्भ में जांच की जानी अपेक्षित है। इसके अलावा, इस समय लागू पाटनरोधी शुल्क की मौजूदगी को भी घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति की जांच करते समय ध्यान रखा जाना अपेक्षित होता है।
33. मौजूदा पुनरीक्षा जांच के लिए नामित प्राधिकारी द्वारा निर्धारित जांच की अवधि 2000-01 है। घरेलू उद्योग को, संबंध देशों सहित विभिन्न देशों से इस अवधि में पाटन के कारण क्षति हुई है, जिसके प्रति या तो जांच चल रही है अथवा इनके प्रति पाटनरोधी शुल्क लागू है। इस प्रकार घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को मौजूदा शुल्कों और दूसरे देशों के विरुद्ध चल रही जांचों के संदर्भ में देखा जाना अपेक्षित है।
34. नियमों का अनुबंध-II घरेलू उद्योग को होने वाली सकल क्षति का ब्यौरा देता है। इस उत्पाद के लिए कई जांच चल रही हैं जिसकी जांच अवधि वही है जो मौजूदा जांच की है। इस प्रकार, घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति की जांच करते समय इन सभी स्रोतों से सामूहिक रूप से घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को देखा जाना होता है।
35. हम पहले ही नामित प्राधिकारी को विस्तृत सूचना प्रदान कर चुके हैं जिसमें स्पष्टरूप से स्थापित कर चुके हैं कि मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को समाप्त करने से निरन्तर क्षति होगी।
36. इसके अलावा ; मैसर्स थाई एक्रिलिक फाइबर (उत्तर भेजने वाला निर्यातक), पाटित मूल्यों पर भारतीय बाजार में पांच वर्षों से अधिक समय से एक्रिलिक फाइबर का निर्यात कर रहे हैं। नामित प्राधिकारी ने थाईलैण्ड के विरुद्ध तीन जांच आयोजित की हैं। निर्यातक मैसर्स थाई एक्रिलिक फाइबर कम्पनी से इस आशय के बारम्बार दावे किए गए हैं कि उनके द्वारा कोई पाटन नहीं किया गया है अथवा पाटन मार्जिन बहुत ही कम थे। यह बात नोट करनी महत्वपूर्ण है कि सभी जांचों में नामित प्राधिकारी ने निर्यातक के दावे के विपरीत काफी पाटन और पाटन मार्जिन पाया है।

निर्यातक मैसर्स थाई एक्कीलिक फाइबर के विचार

37. पाटनरोधी नियमों के अनुबंध -2 में क्षति का निर्धारण करने के लिए सिद्धान्त दिए गए हैं। अनुबंध का पैरा (ii) और पैरा (iv) उन कारकों की एक सूची दर्शाता है जिन्हें - भौतिक क्षति की मौजूदगी अथवा अन्यथा की बात तय करने की दृष्टि से मानांकित किया जाना अपेक्षित होता है। 15 मापदण्डों को आवश्यक रूप से मानांकित किया जाना अपेक्षित होता है और प्रत्येक इन मापदण्डों के बारे में निष्कर्ष को प्रकाशित निष्कर्षों में दिया जाना अपेक्षित होता है। पैरा (ii) और पैरा (iii) में उल्लिखित 15 कारक समझौते की धारा 3.4 की विषय वस्तु (पारी मैटीरिया) होती है।
38. प्राधिकारी इस बात से अवगत है कि भारत सरकार ने काटन टाइप बेड लिनेन में एक विवाद उठाया था कि उसमें सूचीबद्ध किए गए सभी कारक अनिवार्य हैं और चूंकि ई0यू0 ने ऐसा नहीं किया अतः निष्कर्ष पाटनरोधी समझौते के विपरीत हैं। विश्व व्यापार संगठन के एक पैनल ने इस विवाद पर विचार किया और उसने भारत के हक में फैसला दिया। इस फैसले पर ई0यू0 द्वारा अपील की गई और विश्व व्यापार संगठन के अपीलीय समूह के पैनल ने निष्कर्षों की पुष्टि की।
39. उपर्युक्त निष्कर्षों, जिसमें कि भारत एक पक्ष था, को ध्यान में रखते हुए यह जरूरी हो जाता है कि नामित प्राधिकारी सभी 15 मापदण्डों का मानांकन करे। याचिका के भाग-IV से देखा जा सकता है कि केवल उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, पिछली संविदा के बिक्री मूल्य के साक्ष्य अथवा बिक्री में ह्रास, रोजगार और लाभ अर्जन के बारे में विचार किया गया है। शेष मापदण्डों पर विचार नहीं किया गया है।
40. घरेलू उद्योग ने पिछले वर्ष की तुलना में 2000-01 में उत्पादन में 6598 मीटरी टन की गिरावट होने का अनुमान लगाया था। बिक्री की मात्रा 70591 से घटकर 59119 मीटरी टन रह गई अर्थात् 11472 मीटरी टन की गिरावट। घरेलू उद्योग द्वारा यह निवेदन किया गया है कि बिक्री की मात्रा में 17% की गिरावट प्रत्यक्षतौर पर कुछ ग्राहकों को पाटित आयातों की ओर मोड़ने के कारण हुई है। यह निष्कर्ष गलत है। याचिका के अनुसार, इन तीन देशों से 5501.30 और 5503.30 सहित आयात की कुल मात्रा 2266.73 मीटरी टन है। बिक्री में 11472 मीटरी टन की गिरावट प्रत्यक्षतया कुछ ग्राहकों को पाटे गए आयातों की ओर मोड़ने के कारण नहीं हो सकती क्योंकि पाटे गए कथित आयात केवल 2267.73 मीटरी टन के थे। इसने अलावा, थाईलैण्ड से सभी निर्यात, लाइसेंस धारकों को आगे बढ़ाने के लिए थे और अतः उस अनुरूपी मात्रा को गंवाई गई बिक्री के रूप में नहीं लिया जा सकता। अतः उत्पादन में कमी और बिक्री की मात्रा में कमी आने का कारण इन तीन देशों से कथित पाटन कतई नहीं है। अतः घरेलू उद्योग का अनुमान सही नहीं है।
41. घरेलू उद्योग का लाभ अर्जन सूचकांक दर्शाता है कि घरेलू उद्योग ने वर्ष 98-99, 99-2000 और 2000-01 प्रत्येक में हानियां उठाई थी। यह सुझाव दिया गया है कि पाटित आयातों के कारण हानियों में वृद्धि हुई है।

42. आयात आंकड़े से यह मालूम होता है कि 5503.30 के अंतर्गत आने वाले एक्रिलिक फाइबर का समीक्षा अवधि के दौरान 18 देशों से आयात किया गया है। इन 18 देशों में या तो पाटनरोधी शुल्क लागू है, अथवा थाइलैंड, कोरिया, यूएसए, ब्राजील, बुल्गारिया, इटली, स्पेन, पुर्तगाल, जापान, यूके, जर्मनी, मैक्सिको, तुर्की तथा ताईवान के संबंध में पाटनरोधी जांच प्रगति पर है। बाकी देशों से व्यक्तिगत तथा सामूहिक रूप से आयात की मात्रा निर्धारित न्यूनतम सीमा से काफी कम है। इस प्रकार, विश्व के हर हिस्से से भारत में आयात पाटनरोधी शुल्क/जॉच के अधीन हुआ है। अभी भी घरेलू उद्योग बहुत उच्च स्तर पर क्षमता उपयोग अर्थात् 100% में से 85 % का उपयोग करने के बावजूद लाभ कमाने में समर्थ नहीं है। यह घरेलू उद्योग के भीतर निहित समस्याओं को सूचित करता है जिनका कारण किसी न किसी देश से आयातों को दिया जा रहा है।

43. यह भी नोट करना आवश्यक है कि थाई एक्रिलिक की लाभप्रदता में 1999 की तुलना में 2000 में वृद्धि हुई थी। इसके आगे, 2000-01 में भारत में कथित पाटित आयातों में गिरावट आई थी। इस परिदृश्य में प्रत्येक घरेलू उत्पादकों ने 1999-2000 की तुलना में 2000-01 में भारी घाटे की घोषणा की है जो कि थाई एक्रिलिक के रुख के प्रतिकूल है। वस्तुतः 1999-2000 में सभी घरेलू उत्पादकों ने नकद मुनाफा दर्ज कराया तथा वर्धमान एक्रिलिक ने भी 2000-01 में नकद लाभ अर्जित किया। अतः 2000-01 में घरेलू उत्पादकों द्वारा लाभ की घोषणा करने में असमर्थता पूर्णतया उनके आंतरिक प्रचालनों तथा उच्च उत्पादन लागत के कारण है तथा थाइलैंड से भारत को कथित आयात के कारण जरा भी नहीं है।

इंडियन स्पिनर्स एसोसिएशन द्वारा किए गए अनुरोध

44. इंडियन स्पिनर्स एसोसिएशन के अनुसार विभिन्न मापदण्डों की स्थिति निम्नानुसार है:-

(i) घरेलू उत्पादकों द्वारा किए गए उत्पादन

वर्ष 1996 में एक्रिलिक फाइबर का उत्पादन 82 मिलियन किलोग्राम था। अगले तीन वर्षों में गिरावट के पश्चात् 2000-01 में उत्पादन तेजी से बढ़कर 99.43 मिलियन किग्रा. हो गया तथा 2001-2002 में 104 मिलियन किग्रा० उत्पादन दर्ज करने का अनुमान है। यह दो वर्षों की अवधि में 32% वृद्धि प्रदर्शित करता है। एक्रिलिक उत्पादन ने हाल की अवधि में औद्योगिक उत्पादन की सूची में अत्यधिक वृद्धि कर दी है। यह स्पष्ट है कि उद्योग की दिशा बदल गई है तथा अब विकास के मार्ग पर निश्चित रूप से अग्रसर है।

(ii) क्षमता - 2000 के अंत तक एक्रिलिक फाइबर की क्षमता बढ़कर 121 मि०किग्रा० हो गई है तथा तीन वर्षों की अवधि में 40% की वृद्धि प्रदर्शित करते हुए मार्च, 2001 तक 137.50 मि०किग्रा० हो गई।

(iii) क्षमता उपयोग - हाल के वर्षों में क्षमता उपयोग 80% के करीब था तथा चाल अवधि में 86.87% की वृद्धि दर्ज कराया है।

(iv) बाजार हिस्सा- घरेलू उत्पादकों का बाजार हिस्सा 1997-98 के 69.45% से बढ़कर 2000-01 में 86.7% हो गया है तथा 2001-2002 में बढ़कर 96.98% हो जाने की संभावना है। इस प्रकार, घरेलू विनिर्माताओं ने व्यावहारिक रूप से पूरे घरेलू बाजार पर कब्जा कर लिया है तथा उन्हें इस संबंध में कोई शिकायत नहीं हो सकती है।

- (v) **कीमत घटक-** घरेलू उत्पादकों का यह तर्क कि कीमत में वृद्धि उत्पादन लागत में वृद्धि के अनुरूप नहीं हुई, तर्क संगत नहीं है। 1998-99 की तुलना में एक्रिलोनीट्राइल की कीमत में 1999-2000 में 12% और 2001-2002 में 57% की वृद्धि हुई। चूँकि एक्रिलोनीट्राइल उत्पादन लागत में 67% है, इसलिए इसका अर्थ यह है कि एक्रिलिक फाइबर की कीमत में 1999-2000 में 8% की तथा 2000-01 में 38% की वृद्धि हुई।
- (vi) **कारणात्मक संबंध -** उपर्युक्त वर्णित सभी अनुकूल मापदंडों के मौजूद, यदि घरेलू विनिर्माता अपने दावे पर अब भी कायम है, तो यह एक्रिलिक फाइबर के आयातों के कारण नहीं है, बल्कि उनमें ही निहित परेशानियाँ हैं।
- (vii) **अन्य अनुकूल घटक -** यहाँ यह बताने की आवश्यकता है कि 2001-2002 के लिए बजट में 5% अतिरिक्त प्रभार को हटाने के कारण एक्रिलोनीट्राइल पर सीमाशुल्क 40.55% से घटकर 38.74% हो गया है। रियायती शुल्क पर नेपाल से एक्रिलिक यार्न के बिना जाँच पड़ताल के आयात घरेलू उत्पादकों तथा उपभोक्ताओं दोनों के लिए क्षोभक बन चुके हैं। सरकार ने दिनांक 10 अक्टूबर, 2001 की अधिसूचना सं० 105/2001-सीयूएस के अधीन नेपाल से आने वाले एक्रिलिक यार्न पर पाटनरोधी शुल्क लगाया है।

प्राधिकारी द्वारा क्षति तथा कारणात्मक संबंध की जाँच

45. उपरोक्त नियम के नियम-23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9क (5) के अनुसार, समीक्षा में निर्दिष्ट प्राधिकारी को यह निर्णय लेना है कि क्या मौजूदा पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति से पाटन तथा क्षति के जारी रहने अथवा पुनरावृत्ति की संभावना है।

46. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-11 के पैरा (iv) में समाविष्ट प्रावधानों के अनुसार संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जाँच में बिक्रियों लाभ, बाजार के हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर लाभ तथा क्षमता उपयोग, में स्वाभाविक तथा संभावित कमी घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारकों, इत्यादि समेत उद्योग की स्थिति से संबंधित सभी संगत आर्थिक सूचकों तथा संकेतकों का मूल्यांकन शामिल होंगे।

47. घरेलू उद्योग ने क्षति निर्धारण अर्थात्, बिक्रियों में स्वाभाविक तथा संभावित कमी, लाभ, बाजार हिस्सा, उत्पादकता निवेशों प्राप्ति, क्षमता उपयोग, घरेलू कीमत प्रभावित करने वाले कारकों, नकद प्रवाह पर प्रभावों, सम्पत्ति सूचियों, रोजगार, मजदूरी, इत्यादि से संबंधित विभिन्न आर्थिक कारकों/संकेतकों के संबंध में सूचना प्रस्तुत की है।

48. प्राधिकारी ने इसलिए इन निष्कर्षों पर पहुँचने के लिए कि क्या मौजूदा पाटनरोधी शुल्क हटाने से पाटन तथा क्षति के जारी रहने अथवा पुनरावृत्ति की संभावना है, अंतिम निर्धारण करते समय क्षति से संबंधित उपर्युक्त संकेतकों तथा एक्रिलिक फाइबर के आयातों पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को ध्यान में रखा है।

उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी ने क्षति के निर्धारण हेतु सभी संगत मापदंडों की निम्नानुसार जांच की:

(i) आयातों की मात्रा

(किग्रा० में आयात/स्रोत डीजीसीआई एंड एस)

	1998-99	1999-00	2000-01
कोरिया आरपी	787677	1447425	950320
थाइलैण्ड	7227669	1076761	1263692
यूएसए	260552	169068	52720
अन्य स्रोतों से आयात	24307845	11564538	11700754
कुल आयात	32583743	14257792	13967486

(ii) एक्रिलिक फाइबर की मांग और बाजार हिस्सा (एमटी में)

	1998-99	1999-2000	2000-01
कुल घरेलू बिक्रिया	79019	98750	98340
कुल आयात	32584	14258	13967
कुल मांग	111603	113008	112307
संबद्ध देशों से आयातों का हिस्सा (%)	7.42	2.38	2.02
घरेलू याचिकाकर्ता उद्योग का हिस्सा (%)	51.54	62.47	52.64
कुल भारतीय उद्योग का हिस्सा (%)	70.8	87.38	87.56

(iii) उत्पादन तथा क्षमता उपयोग (एमटीमें)

	1998-99	1999-2000	2000-2001
स्थापित क्षमता	70500	73000	73000
उत्पादन	59168	67943	61345
क्षमता उपयोग (%)	83.93	93.07	84.03

याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग के संबंध में

(iv) घरेलू उद्योग की बिक्रियां (एमटी में)

	1998-99	1999-2000	2000-2001
याचिकाकर्ता कम्पनियों की बिक्रियां	57524	70591	59119

(v) कीमत कटौती

	1998-99	1999-2000	2000-2001
घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत (रु./किग्रा.)	***	***	***
औसत पहुँच मूल्य (रु./किग्रा.)	55.04	63.44	78.39
कीमत कटौती	+ve	+ve	+ve

(vi) कीमत दमन

	1998-99	1999-2000	2000-2001
न्यूनतम पहुँच मूल्य	***	***	***
औसत उत्पादन लागत	***	***	***
कीमत का दमन (%)	***	***	***

(vii) घरेलू उद्योग का अंतिम स्टॉक (एमटी)

	1998-99	1999-2000	2000-2001
अंतिम स्टॉक	1234.41	750.5	2551.68

(viii) लाभ प्रदत्ता

तुलन पत्र के अनुसार सभी तीन याचिकाकर्ता कम्पनियों को घाटा हुआ है और लाभ तथा हानि वर्ष 2000-2001 के लिए है।

(ix) निवेशों पर लाभ

प्राधिकारी पाते हैं कि बहुत से स्रोतों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के बावजूद वर्ष 2000-2001 के दौरान घरेलू उद्योग ने निवेश पर ऋणात्मक लाभ दर्ज कराया है।

(x) वास्तविक तथा संभावित ऋणात्मक नकदी प्रवाह

वर्ष 1998-99 में याचिकाकर्ता कम्पनियों का नकदी प्रवाह ऋणात्मक था जोकि 1999-2000 में धनात्मक हो गया और पुनः 2000-2001 में ऋणात्मक हो गया था।

(xi) रोजगार

1997-98 तथा 1998-99 के बीच क्षमता में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योग का रोजगार स्तर बढ़ा गया। तथापि, घरेलू उद्योग को निरन्तर वित्तीय स्थिति के कारण संभावित सीमा तक रोजगार में कटौती करनी पड़ी थी।

(xii) वेतन

घरेलू उद्योग को मौजूदा विनियमनों के कारण अपने कर्मचारियों का वेतन बढ़ाना पड़ा था।

(xiii) पूंजी निवेश बढ़ाने की क्षमता

घरेलू उद्योग के घटकों को बड़ी कठिनाई से वित्तीय पुर्ननिर्माण करना पड़ा था तथा वित्तीय संस्थान घरेलू उद्योग को निरन्तर घाटे के कारण निधियां देने से हिचकिचाते हैं।

49. उपर्युक्त सूचक निम्नलिखित दर्शाते हैं:-

- (i) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा में वर्ष 1998-99 से जांच की अवधि तक क्रमशः कमी आई है।
- (ii) एक्रिलिक फाइबर की समग्र माँग में वर्ष 1998-99 की तुलना में पीओआई के दौरान कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं हुआ है।
- (iii) संबद्ध देशों से आयातों का हिस्सा वर्ष 1998-99 के दौरान 7.42 से पीओआई के दौरान कम होकर 2.02% हो गया है।
- (iv) घरेलू उद्योग को हिस्सा जो कि 1999-2000 के दौरान बढ़कर 62.47% हो गया था घटकर 52.64% रह गया है।
- (v) याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग का उत्पादन तथा क्षमता उपयोग पिछले वर्ष के दौरान 93.07 की तुलना में पीओआई के दौरान घटकर 84.03% हो गया है।
- (vi) याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग की बिक्रियां वर्ष 1999-2000 के 70591 एमटी से घटकर पीओआई के दौरान 59119 एमटी हो गई हैं।
- (vii) पाटित आयातों के कारण महत्वपूर्ण कीमत कटौती हुई है।
- (viii) घरेलू उद्योग अपने उत्पाद पर उचित बिक्री कीमत वसूलने में समर्थ नहीं रहा है क्योंकि आयातों के पहुँच मूल्य ने घरेलू उद्योग की कीमत को दबाया है।
- (ix) पीओआई के दौरान घरेलू उद्योग का अंतिम स्टॉक काफी बढ़ा है।
- (x) जैसाकि उनके तुलन पत्र से प्रतीत होता है याचिकाकर्ता घरेलू कम्पनियों को घाटा हुआ है तथा घरेलू उद्योग ने निवेश पर ऋणात्मक लाभ दर्ज कराया है।
- (xi) पीओआई के दौरान याचिकाकर्ता कम्पनियों का नकदी प्रवाह ऋणात्मक था।
- (xii) प्रतिकूल वित्तीय स्थिति के कारण रोजगार स्तर पर ऋणात्मक प्रभाव था। तथापि, घरेलू उद्योग मौजूदा विनियमनों के कारण अपने कर्मचारियों का वेतन बढ़ाने को बाध्य था।
- (xiii) क्योंकि उद्योग घाटे उठा रहे थे, इसलिए वित्तीय संस्थान घरेलू उद्योग को निधियां प्रदान करने के लिए इच्छुक नहीं थे।

क्षति तथा कारणात्मक संबंध पर निष्कर्ष

50. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जबकि संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा में जांच अवधि के दौरान कमी आई है। परन्तु घरेलू उद्योग की स्थिति से संबंधित सभी अन्य मुख्य आर्थिक सूचक जांच अवधि में सुधार में कमी को दर्शाया है जिससे मालूम होता है कि घरेलू उद्योग को मौजूदा पाटनरोधी शुल्कों के बावजूद काफी क्षति हो रही है।

51. प्राधिकारी का मानना है कि मौजूद आर्थिक मापदण्डों को ध्यान में रखते हुए यह मानना अनुचित होगा कि संबद्ध देशों से आयात से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं पहुंचेगी। किसी भी आर्थिक मापदंडों में विकास मौजूदा पाटनरोधी शुल्क का परिणाम हो सकता है। तथापि घरेलू उद्योग को क्षति, पुनः होगी यदि उत्पाद को पाटित कीमतों पर बेचा जाता है तथा भारत में आयात ऐसी कीमतों पर हो रहे हों जो घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से कम हों। प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले आर्थिक मापदंडों के समग्र मूल्यांकन को ध्यान में रखते हुए पाटनरोधी शुल्क को खतम करने की आवश्यकता नहीं है।

52. घरेलू उद्योग हेतु समान वस्तुओं के लिए क्षति रहित कीमत का निर्धारण करते समय, प्राधिकारी ने जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग हेतु इष्टतम उत्पादन लागत का निर्धारण करने के लिए मानकीकृत सर्वोत्तम खपत मानकों तथा कच्चे माल जिनका संबंध वस्तुओं के उत्पादन में इस्तेमाल होता है, की वास्तविक कीमत को ध्यान में रखते हुए संबंध वस्तु की वास्तविक उत्पादन लागत का प्रयोग किया है। क्षति मार्जन की गणना हेतु, जांच अवधि के लिए निर्धारित कारखाना-द्वार-क्षति रहित कीमत की तुलना आयातित वस्तुओं के पहुंच मूल्य से की गई है।

छ. भारतीय उद्योग का हित तथा अन्य मुद्दे

(क) होमोपोलीमर एक्रिलिक फाइबर को पाटन रोधी शुल्क से अलग रखना

मै. सुप्रीम नोनवोवेन्स लि०, मुंबई द्वारा किए गए अनुरोध

53. वे बिना बुने औद्योगिक फेब्रिक्स के विनिर्माता हैं। उनके उत्पादन का एक बड़ा भाग बैंक फिल्टरों में प्रयुक्त फिल्टर मीडिया है जिसका उपयोग प्रदूषण नियंत्रण के लिए होता है। चूंकि उनके पास फिल्टर अनुप्रयोगों हेतु विशिष्ट फाइबर के प्रसंस्करण के लिए सुविधाएं तथा तकनीकी जानकारी है इसलिए उन्होंने विशिष्ट फाइबर के आयात के द्वारा इन फेब्रिक्स का विनिर्माण तथा विपणन आरंभ कर दिया है। होमोपोलीमर एक्रिलिक फाइबर (100% एकीलो निट्राइल) ऐसा ही एक फाइबर है। यह हाट एल्कालइन स्थितियों का प्रतिरोधी है जबकि सामान्य एक्रिलिक फाइबर (85% एकीलो निट्राइल) में यह गुण नहीं है। होमोपोलीमर एक्रिलिक फाइबर का विनिर्माण भारत में किसी अन्य फाइबर विनिर्माता द्वारा नहीं किया जाता है और एक्रिलिक फाइबर के घरेलू विनिर्माताओं ने इस बारे में खेद पत्र दिए हैं। इसलिए होमोपोलीमर एक्रिलिक फाइबर को पाटन रोधी शुल्क लगाने के लिए सामान्य एक्रिलिक फाइबर के साथ नहीं जोड़ा जा सकता है। जिराकें निम्नलिखित कारण हैं-

(i) इसका निर्माण भारत में नहीं होता है।

(ii) यह सामान्य एक्रिलिक फाइबर से बने उत्पादों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं करता है।

- (iii) इसकी कीमत स्थानीय रूप से विनिर्मित सामान्य एक्रिलिक फाइबर से काफी अधिक निर्धारित होती है।
 - (iv) इसका उपयोग निडिल पन्चड नानबोवेन फिल्टर मीडिया एवं औद्योगिक फब्रिक के विनिर्माण में होता है जिसका वर्तमान में पाटनरोधी शुल्क लगाए बिना आयात किया जाता है।
 - (v) विनिष्ठियों पर पाटनरोधी शुल्क लागू करना असंगत होगा जबकि निर्मित वस्तु अर्थात् फिल्टर मीडिया जिसने समान निविष्ठियों का प्रयोग किया गया है का आयात पाटनरोधी शुल्क लगाए बिना हो सकता है।
54. आयातक ने यह भी बताया है कि 10.1.2002 को हुई सार्वजनिक सुनवाई के दौरान एक्रिलिक फाइबर के विनिर्माताओं के प्रतिनिधियों ने इस बात की पुष्टि की कि वे वर्तमान में कोरिया से आयात किए जा रहे 100% एक्रिलो निट्राइल मात्रा वाले होमोपोलीमर एक्रिलिक फाइबर का विनिर्माण नहीं करते हैं। आगे यह भी आग्रह किया गया है कि होमोपोलीमर एक्रिलिक फाइबर को पाटनरोधी शुल्क से मुक्त करते हुए एक उपयुक्त अधिसूचना जारी की जाए क्योंकि इससे घरेलू उद्योग को निर्मित सामग्री के आयात के प्रतिस्थापन में अत्यधिक सहायता मिलेगी और इस तरह से देश की विदेशी मुद्रा की बचत होगी।

घरेलू उद्योग के विचार

55. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद एक्रिलिक फाइबर है। होमोपोलीमर एक्रिलिक फाइबर एक्रिलिक फाइबर की एक किस्म के अलावा कुछ नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एक्रिलिक फाइबर संबद्ध देश से आयातित उत्पाद के समान वस्तु है। पाटनरोधी नियमों के अनुसार :—

“समान वस्तु” का तात्पर्य ऐसी किसी वस्तु से है जो सभी प्रकार से भारत में पाटित किए जा रहे जांचाधीन उत्पाद के समान अथवा सदृश्य हो अथवा ऐसी किसी वस्तु के अभाव में ऐसी अन्य वस्तु से है जो यद्यपि हर तर से संमान नहीं है लेकिन जिसकी विशेषताएं जांचाधीन वस्तु की विशेषताओं से अत्यधिक मेल खाती हो;

56. यह संबंधित मापदंड है कि क्या घरेलू उद्योग समान वस्तु के उत्पादन कर रहा है। घरेलू उद्योग के लिए विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन में होना आवश्यक नहीं है, परन्तु घरेलू उद्योग का समान वस्तु के उत्पादन में होना आवश्यक है।

57. हम इसी उत्पादन के लिए अन्य बातों के साथ-साथ जापान से एक्रिलिक फाइबर से संबंधित जांच की ओर भी निर्दिष्ट प्राधिकारी का ध्यान आकर्षित कराते हैं जहां जापानी उत्पादकों द्वारा विशिष्ट फाइबर संबद्ध एक्रिलिक फाइबर आदि के मुद्दे उठाए गए थे। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यह निर्णय दिया गया था कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एक्रिलिक फाइबर जापान से आयातित एक्रिलिक फाइबर के समान वस्तु है तथा निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा उसे अलग नहीं माना गया था।

58. यहां यह बताना भी प्रासंगिक होगा कि हितबद्ध पक्षकार ने होमोपोलीमर एक्रिलिक फाइबर की तकनीकी विशेषताएं आदि भी संलग्न नहीं की है।

59. घरेलू उद्योग ने आगे यह भी तर्क दिया है कि जहां तक होमोपोलीमर एक्रिलिक फाइबर को शुल्क के दायरे से बाहर रखने का संबंध है, यह प्रमुख मुद्दा है कि क्या इस किस्म का फाइबर समान वस्तु

है। जापान से एक्रिलिक फाइबर के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क से संबंधित मामले में निदेशालय द्वारा किए गए समान वस्तु के परीक्षण वर्तमान समीक्षा में भी समान रूप से लागू होंगे। यह भी स्वीकार किया गया है कि होमोपोलीमर फाइबर की कीमत सामान्य एक्रिलिक फाइबर की कीमत से बहुत अधिक है। इस स्थिति में जब निर्दिष्ट प्राधिकारी यह मानते हो कि यह होमोपोलीमर फाइबर घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु के समान वस्तु नहीं है तब प्राधिकारी एक बेंचमार्क कीमत विनिर्दिष्ट कर सकते हैं जिस पर होमोपोलीमर फाइबर का आयात किया जा सके।

प्राधिकारी द्वारा जांच

60. प्राधिकारी ने मै. सुप्रीम नानवोवेन्स लि० तथा घरेलू उद्योग के विचारों की जांच की। यद्यपि यह सत्य हो सकता है कि होमोपोलीमर एक्रिलिक फाइबर उसी सीमाशुल्क शीर्ष के अंतर्गत कवर होता हो जिसके अंतर्गत एक्रिलिक फाइबर कवर किया गया है, परन्तु इसके आयात स्थानीय तौर पर उत्पादित एक्रिलिक फाइबर की मांग को कम करने की प्रवृत्ति नहीं रखते हैं। ऐसा इस तथ्य के कारण है कि होमोपोलीमर एक्रिलिक फाइबर में एक्रिलो नीट्राइल की मात्रा 100% होती है। इस बात की पुष्टि एक्रिलिक फाइबर के घरेलू उत्पादकों मै. पशुपति एक्रिलिक लि०, मै. कन्सोलिडेटेड फाइबर्स एंड कैमिकल्स लि० तथा मै. आई पी सी एल द्वारा की गई है कि वे होमोपोलीमर एक्रिलिक फाइबर का विनिर्माण नहीं करते हैं। होमोपोलीमर एक्रिलिक फाइबर की निर्यात कीमत भी स्थानीय तौर पर निर्मित एक्रिलिक फाइबर से बहुत अधिक है। प्राधिकारी यह पाते हैं कि होमोपोलीमर फाइबर घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एक्रिलिक फाइबर से वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थानीय नहीं है इस प्रकार होमोपोलीमर एक्रिलिक फाइबर के आयात घरेलू उद्योग को क्षति नहीं पहुंचाते हैं क्योंकि ये आयात घरेलू रूप से उत्पादित एक्रिलिक फाइबर की मांग को कम नहीं करते हैं। इसलिए प्राधिकारी इसे पाटनरोधी शुल्क लागू करने की सिफारिश से बाहर रखने का प्रस्ताव करते हैं। घरेलू उद्योग की चिंताओं को ध्यान में रखते हुए, उन होमोपोलीमर पर पाटनरोधी शुल्क में छूट दी जाएगी जिनकी सी आई एफ भारतीय पत्तन कीमत 2.40 अमरीकी डालर/किग्रा या अधिक है। इसके अलावा, यह निर्यात कीमत एक्रिलिक फाइबर की कीमतों में एक्रिलिक प्रमुख कच्ची सामग्री एक्रिलो नीट्राइल की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में वृद्धि/कमी के कारण उत्तार-चढ़ाव से भी जुड़ी होगी। 2.40 यू एस डालर/किग्रा की इस सी आई एफ कीमत की पुनः गणना की जाएगी यदि एक्रिलो नीट्राइल (ए सी एन) की कीमत में 10%(+/-) का उत्तार-चढ़ाव होता है। ए सी एन की आधार कीमत 940 डालर/मी.टन मानी गई है।

61. प्राधिकारी दोहराते हैं कि सामान्यतया पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य इस पाटन को समाप्त करना है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति पहुंच रही है और भारतीय बाजार में खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल करना है जो देश के सामान्य हित में है।

62. प्राधिकारी की मान्यता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से भारतीय उत्पाद की कीमत स्तर का प्रभावित हो सकता है। तथापि, पाटन रोधी उपायों के द्वारा भारतीय बाजारों में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी। इसके विपरीत पाटन रोधी उपाय लागू करने से पाटन प्रक्रिया द्वारा मिलने वाले अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का हानि से बचाव होगा तथा उपभोक्ताओं को संबद्ध वस्तु के व्यापक विकल्प की उपलब्धता कायम रखने में मदद मिलेगी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन रोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देश से आयात किसी भी प्रकार से बाधित नहीं होंगे और इसलिए, यह उपभोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता पर प्रभाव नहीं डालेंगे। उपभोक्ता अभी भी आपूर्ति के दो या और अधिक स्रोत रख सकते हैं।

ज. अंतिम जांच परिणाम

63. पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात् प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे है कि:

- (i) संबद्ध देशों से भारत को एक्रिलिक फाइबर का निर्यात इसके सामान्य मूल्य से कम पर किया गया है।
- (ii) घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है;
- (iii) यदि पाटन रोधी शुल्क को हटाया गया तो यह क्षति और अधिक हो सकती है।

64. इसलिए सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की पहली अनुसूची के अध्याय 55 के अंतर्गत कवर किए जाने वाले अमरीका, कोरिया (जन.गण.) तथा थाइलैंड मूल के अथवा वहां से निर्यातित एक्रिलिक फाइबर के आयातों पर प्रभावी पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की सिफारिश करना उचित समझा जाता है। प्राधिकारी पाटन के मार्जिन या क्षति मार्जिन जो भी कम हो के बराबर के पाटन रोधी शुल्क की राशि की सिफारिश का प्रस्ताव करते हैं, जो यदि लागू किया जाए, तो घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त कर देगा। क्षति मार्जिन निर्धारित करने के लिए आयातों की पहुंच कीमत की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षति रहित बिक्री कीमत से की गई है। संशोधित शुल्क इस संबंध में केन्द्र सरकार द्वारा जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से लागू हो सकते हैं। पाटन रोधी शुल्क निम्नानुसार होगा:-

देश	उत्पादक/निर्यातक	पाटनरोधी शुल्क (यूएस डालर प्रति किग्रा)*
अमरीका	सभी निर्यातक	0.366
कोरिया(जन.गण.)	सभी निर्यातक	0.225
थाइलैंड	मै.थाइ एक्रिलिक फाइबर कं.लि.	0.16
थाइलैंड	अन्य निर्यातक	0.313

*तथापि, यह इस शर्त के अधीन है कि संबद्ध देशों से होमोपोलीमर फाइबर जिसमें एक्रिलो नाईट्राइल की मात्रा 100% हो, के आयात यदि 2.40 यू एस डालर एवं अधिक सी आई एफ-भारतीय पतन कीमत पर हों तो इन्हें उक्त पाटनरोधी शुल्क से छूट दी जाएगी। इस कीमत में 5% के उतार-चढ़ाव की अनुमति होगी। होमोपोलीमर एक्रिलिक फाइबर की 2.40 यू एस डालर/किग्रा की कीमत में इसकी प्रमुख कच्ची सामग्री एक्रिलिक नाईट्राइल की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में 940 यू एस डालर/ मी.टन की आधार कीमत से 10% से अधिक का परिवर्तन होने पर उचित रूप से संशोधन किया जाएगा। इस उद्देश्य के लिए दैनिक 'टेकनान' में प्रकाशित या पी सी आई कन्सल्टिंग के एक्रिलो नाईट्राइल की कीमतें प्रभावी होंगी।

65. इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 3,3क, 8ख,9 तथा 9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी प्रकार के सीमा शुल्को सहित सीमाशुल्क अधिनियम,1962 के अधीन सीमाशुल्क विभाग द्वारा आकलित निर्धारणीय मूल्य होगा।

66. इस आदेश के खिलाफ कोई अपील उक्त अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पादशुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्यायधिकरण के समक्ष दायर की जा सकेगी।

एल. वी. सप्ताश्रयि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 6th August, 2002

FINAL FINDINGS

Subject : Sunset Review of anti-dumping duty concerning imports of Acrylic Fibre originating in or exported from USA, Korea (RP) and Thailand—Final Findings.

No. 26/1/2001-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof.

A. PROCEDURE:

2. The procedure described below has been followed with regard to the investigations:-

- (i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), initiated the Sunset Review investigation of anti-dumping duty imposed on imports of Acrylic Fibre (hereinafter referred to as subject goods), originating in or exported from USA, Korea (RP) and Thailand (hereinafter referred to as subject countries) pursuant to the Final Findings notification No.47/ADD/IW dated 14-10-1997 and mid-term review notification No.21/1/99-DGAD dated 19-4-2000. - This Sunset Review was initiated vide Notification No. 26/1/2001-DGAD dated 7th August, 2001.
- (ii) The Designated Authority notified the initiation of this Sunset Review vide Notification No. 26/1/2001-DGAD dated 7th August, 2001 with regard to anti-dumping duties imposed on imports of Acrylic Fibre originating in or exported from the subject countries.

The Designated Authority forwarded a copy of the initiation notification to the known interested parties, who were requested to furnish their views, if any, on the said findings within forty days from the date of the letter.

- (iii) The Authority forwarded a copy of the public notice to the known industry associations and Forum of Acrylic Fibre Manufacturers and gave them an opportunity to make their views known in writing.
- (iv) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known exporters and gave them an opportunity to make their views known in writing in accordance with the Rule 6(2). The Authority sent questionnaire to the following known exporters:-

1. M/s. Thai Acrylic Fibre Co. Limited, Thailand.
2. M/s. Haril Synthetic Fibber Co., Ltd., Seoul, Korea.
3. Ms/. Taekwang Industrial Co., Ltd., Seoul, Korea.
4. M/s. Sterling Fibers, Inc., USA.
5. M/s. Cytec Industries Inc., USA.

Only M/s. Thai Acrylic Fibre Co. Ltd., Thailand responded to the questionnaire.

- (v) The Authority forwarded copy of the public notice to the following known importers and consumers of Acrylic Fibre in India (whose details were made available by the petitioners in the original investigations) in accordance with Rule 6(5) and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of the letter.

1. M/s. Rajasthan Spinning & Weaving Mills Ltd., New Delhi.
2. M/s. Siddharth Super Spinning Mills Ltd., New Delhi.
3. M/s. Adhinath Textiles Ltd., Punjab.
4. M/s. Vardhaman Spinning & General Mills, Punjab.
5. M/s. Malwa Cotton Spinning Mills Ltd., Punjab.
6. M/s. Winsome Textile Industries Ltd., Chandigarh.
7. M/s. Bhiwani Textile Mills, Haryana.
8. M/s. Shruti Synthetics Ltd., Rajasthan.
9. M/s. Nahar Spinning Mills Ltd., Punjab.
10. Indian Spinners' Association, Mumbai.

11.M/s. Supreme Nonwovens Ltd., Mumbai.

- (vi) The Authority forwarded the initiation notification to the Embassies of the subject countries in New Delhi in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters was also sent to the concerned Embassies, along with a list of known exporters/producers
- (vii) The Authority provided an opportunity to the interested parties to present their views orally in a public hearing on 10.1.2002. All parties presenting views were requested to file written submissions of their views expressed. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rebuttals, if any;
- (viii) In addition to the known interested parties, responses/information was filed by the following interested parties during the investigation:
 - 1. Sutlej Industries Ltd., Mumbai.
 - 2. APM Industries Ltd., (Unit : Orient Syntex), New Delhi.
 - 3. Deepak Spinners Ltd., Chandigarh – 160019.
- (ix) The Authority made available the public file to all interested parties containing non-confidential version of all evidence submitted by various interested parties for inspection, upon request;
- (x) Arguments raised by the interested parties have been appropriately dealt in these findings;
- (xi) In accordance with Rule 16 of the Rules *supra*, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties on 22nd July, 2002 and comments received on the same have also been duly considered in these findings;
- (xii) The period of investigation (POI) for the present sunset review is 1st April, 2000 to 31st March, 2001.

- (xiii) ***in this notification represents information furnished by the interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

3. The product involved in the present investigation is Acrylic Fibre. Acrylic Fibre is a long chain of synthetic polymer composed of at least 85% by weight of Acrylonitrile, which is the major raw material for production of Acrylic Fibre. Acrylic Fibre is classified under sub-head 550330 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 and No. 55033000 under the Indian Trade Classification (based on Harmonised Commodity description). The Classification is, however, indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigations.

Submissions made by M/s. Thai Acrylic Fibre Co. Ltd.,

4. The present sunset review is simply a review of the investigation that was originally commenced on 13.9.1996. The scope of the product under investigation and subjected to anti-dumping duty in the sunset review is and should be the same as that of the original investigation. In the original investigation also, the product was defined as Acrylic Fibre falling under Customs Code 5503.30. However, in para 50 of the preliminary findings dated 31.3.1997, anti-dumping duty was recommended on all Acrylic Fibre falling under Chapter 55. This, however, did not alter the scope of the product that was subject to investigation and to anti-dumping duty.

5. In the present petition, the domestic industry has indicated the product as covering both Synthetic filament tow falling under 5501.30 and Synthetic staple fibre falling under 5503.30. The import statistics have also been indicated for both these customs codes. The Authority has indicated in the initiation notice only Customs code 5503.30. Products falling under different tariff entries of the Customs Tariff are recognized as distinct and different products. While different products may be covered by a single tariff entry, the converse is not true, i.e. different tariff items cannot cover the same item. The product on which the domestic industry wanted anti-dumping duty was Acrylic Fibre. The investigation originally was restricted only to this item. Subsequently, it appears that another product has also been brought within the ambit of the investigation without appreciation of the scope of the review and investigation.

6. The import statistics relied upon by the petitioner and by the Authority in the original investigation included only Acrylic Fibre falling under 5503.30. It is not known as to how Acrylic tow falling under 5501.30 has also been covered in the petition and the finding in the subsequent review. Even in the year 93-94 there were imports of Acrylic tow under 5501.30 of 1859.370 MT. Hence, Acrylic tow has been brought within the scope of investigation erroneously.

7. Thus the investigation should be restricted to Acrylic Fibre falling under 5503.30. The import statistics for the purpose of evaluating material injury should also be restricted to 5503.30. The domestic industry must not be allowed to enlarge the scope of the investigation subsequently by such means.

Submissions made by Indian Spinners Association:

8. According to Notification No. 26/1/2001-DGAD dated 7.8.2001 the product under consideration is Acrylic Fibre classified under sub-heading No. 550330 of Schedule – I of Customs Tariff Act. It would mean that modacrylic fibre falling in item No. 5503.30 or acrylic or modacrylic tow falling in sub-heading No. 5501.30 are outside the purview of the enquiry.

Submissions made by the domestic industry:

9. The product under consideration in the present investigation is Acrylic fibre, irrespective of its grade and types, whether it is tow or top. All types are covered within the scope of the duty and since, all types are covered under scope of duty, all types are within the scope of the present review. It has been clearly mentioned in the initiation notification also that the custom classification is indicative only and not binding on the scope of the investigation.

10. Being a review investigation, the product under consideration in the present investigation has to remain same as has been in the main investigation. It is classified under custom subheading 5501.30 and 5503.30 of the Customs Tariff Act.

11. In the questionnaire response filed by the only responding exporter in the present investigation, the exporter has stated the scope of the

investigation from 1.5 denier to 8.0 denier. It is clarified that the scope in the present investigation covers all deniers of Acrylic Fibre.

12. As regards different custom tariffs for different products, the custom tariffs for different products and different types of a product are two different issues. It is factually not correct to say that different tariff items can not cover the same item. It has been demonstrated in a number of investigations that the product has been imported under a number of different customs classifications. It can not be said that scope of a product can not exceed custom classification. We rely upon various investigation conducted by the Designated Authority so far, in which more than one custom classification has been clubbed for a product.

13. Regarding request by the exporter to specifically clarify that the duty is applicable on Acrylic Fibre “falling under custom subheading no. 5503.30” only, we rely upon the decision of the Designated Authority on the same product in the previously completed investigations.

Examination by the Designated Authority:

14. In the preliminary findings dated 31.3.1997 of the previous investigation the Designated Authority had recommended imposition of anti-dumping duty on imports of Acrylic Fibre falling under Chapter 55 of the Customs Tariff. In the final findings dated 14.10.1997, Authority has confirmed the preliminary findings as regards imposition of anti-dumping duty on imports of Acrylic Fibre. Similarly, in the review findings notified vide Notification No. 21/1/99-DGAD dated 19.4.2000 the Authority had recommended imposition of anti-dumping duty on Acrylic Fibre falling under Chapter 55 of the Customs Tariff. As has been stated in the initiation notification dated 7.8.2001 under para 1 that the Customs/ITC classification mentioned therein are indicative only and are in no way binding on the scope of the investigations. Therefore, the investigation and/or imposition of anti-dumping duty cannot be restricted to sub-heading 550330 of Schedule I of the Customs Tariff Classification and the investigations can cover Acrylic Fibre classifiable under any sub-heading of Chapter 55 of the Customs Tariff Classification.

C. Like Article

15. Rule 2(d) of the anti-dumping rules specifies that “Like Articles” means an Article which is identical or alike in all respects to the product under investigation or in the absence of such an Article, another Article, having characteristics closely resembling those of the articles under examinations.

16. The Authority also finds that there is no argument disputing that Acrylic Fibre produced by the domestic industry has characteristics closely resembling the imported material and is substitutable by Acrylic Fibre imported from the subject countries both commercially and technically. Therefore, the Authority holds the view that Acrylic Fibre produced by the domestic industry be treated as Like Article to the product exported from USA, Korea (RP) and Thailand within the meaning of Rule 2(d).

D. DOMESTIC INDUSTRY

Submissions made by M/s. Thai Acrylic Fibre Co. Ltd., Thailand.

17. In part II of the petition, the production of 5 Indian Producers has been given. M/s. Vardhaman Acrylics Ltd (VAL) is one producer. It has been indicated in the petition that the said producer is related to Vardhaman Spinning, an importer of acrylic fibre. VAL has, therefore, been excluded from the scope of the domestic industry. We submit that the exclusion of VAL, unilaterally by the domestic industry, is incorrect and amounts to the domestic industry exercising the power of the Designated Authority.

18. It is our submission that the quantum of imports into the country is small and most of the imports are to advance licence holders for the purpose of using the acrylic fibre in export production. Consequently the imports, if any, by Vardhaman Spinning will not necessitate the exclusion of VAL from the domestic industry. We submit that this exclusion has been made deliberately in order to distort the picture of the domestic industry and the injury analysis.

Submissions made by the domestic industry:

19. The domestic industry has merely brought the facts and claimed that M/s. Vardhman should be excluded from the scope of the investigations. The

Designated Authority appears to be satisfied that the company is required to be excluded from the scope of the present investigations. However, in case the Designated Authority considers it relevant to include the information in respect of that company, relevant information can always be called from that company. The petitioners have no objection to their inclusion also.

Examination by the Designated Authority:

20. As per the information furnished by the domestic industry the three producers, viz, Indian Acrylics Ltd., ii) Consolidated Fibres and Chemicals Ltd., and iii) M/s. Pasupati Acrlylon Ltd., account for a share of 60% of the domestic production. It has been stated in the non-confidential version of the petition that M/s. Vardhman Acrylics Ltd., another producer of Acrylic Fibre, is related to M/s. Vardhman Spinning Mills Ltd., which is a group company promoted by S.P. Oswal group. M/s. Vardhman Spinning Mills is an importer of Acrylic Fibre and therefore M/s. Vardhman Acrylics Ltd., were excluded from the domestic industry. The Authority therefore is of the view that the three producers represent the domestic industry in terms of Rule 5(3) as they account for majority of the domestic production of Acrylic Fibre.

E. EXAMINATION OF ISSUES RELATED TO NORMAL VALUE, EXPORT PRICE & DUMPING

21. The Authority sent questionnaires to the known exporters and the embassies of the subject countries in India for the purpose of determination of normal value in accordance with section 9A(1)(C) of the Act. Only one exporter from Thailand, viz M/s. Thai Acrylic Fibre Co. Ltd., has responded to the questionnaire. None of the exporters/producers from USA and Korea RP have responded to the questionnaire.

Views of the domestic industry

22. It is relevant to point out that the Designated Authority has found in the past that considerable amount of sales were made by the exporter in home market below its cost of production. This has been finding of the Designated Authority in the previously concluded two review investigations also. Such sales are to be ignored in accordance with Annexure I to the Rules. The exports from Korea continued at considerable volume in spite of the fact that substantial anti dumping duties are applicable on such exports. The exporters

from Korea have not cooperated with the Designated Authority in the past. Similar is the situation with regard to exports from USA.

Examination by the Authority

Normal Value in respect of Thailand

23. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:

- (i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section(6); or
- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either -
 - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6).

M/s. Thai Acrylic Fibre Co. Ltd., Thailand has furnished a detailed response to the questionnaire containing information relating to domestic sales and exports to India. The Authority has also conducted an on the spot verification of the exporter's information. It has been found that the domestic sales of the exporter have been in the ordinary course of trade as more than 80% of the domestic sales are above the cost of production plus administrative, selling and general costs. Therefore normal value in respect of Thailand has been determined on the basis of sale price of Acrylic Fibre in domestic market. Various adjustments claimed have been verified. After considering the adjustments on account of Discounts ***Baht, Inland freight ***Baht, Interest

***Baht and Guarantee commission ***Baht the normal value for Thai exporter has been determined as ***Baht/kg.

Normal value in respect of USA & Korea

24. None of the exporters from USA and Korea responded to the Questionnaire issued by the Authority or furnished any information relevant to the determination of dumping. The petitioner has claimed that dumping continues from USA and Korea and has claimed normal value of Acrylic Fibre on the basis of prices for the major raw material Acrylo Nitrile published in a Journal named as Tecnon. In view of non-cooperation from exporters from USA and Korea in the form and manner prescribed the Authority confirms to have made the findings with regard to exporters from USA and Korea on the basis of facts available to it as per Rule 6(8) supra. Accordingly, the Authority has determined normal value of Acrylic Fibre in respect of USA and Korea on the basis of information furnished by the domestic industry.

Export Price:-

25. None of the exporters from USA and Korea responded to the questionnaire forwarded by Authority. Few importers have responded to the questionnaire giving information as under:

- (i) M/s. Sutlej Industries Ltd., - showing imports from Korea;
- (ii) M/s. Deepak Spinners Ltd., regarding imports from Japan, Taiwan (which is not relevant to this investigation); and
- (iii) M/s. APM Industries, regarding imports from Japan (which is not relevant to this investigation).

The Authority has considered information as per DGCIS data and the importers' information to the extent these are relevant for this investigation for determining the export price in respect of USA and Korea. Necessary adjustments on account of ocean freight, marine insurance, commission, inland transportation and port charges as per the claim of the domestic industry have been allowed, except commission has been allowed @ 3% of FOB value, to arrive at the ex-factory export price.

26. In respect of M/s. Thai Acrylic Fibre Co. Ltd, Thailand the export price has been determined on the basis of information furnished by the exporter. The exporter made sales of ***kgs for US\$ *** to India. The export value in

US\$ has been converted to Baht taking into account the exchange rate on the date of invoice. This is in accordance with Rule 6(iii) of Rules supra. The exporter has shown adjustment on account of drawback as ***Bhat/MT which has been verified and found correct. The other adjustments from the export price have been allowed on actual basis on account of discounts/commissions ***Baht/MT, inland freight ***Baht/MT, overseas freight ***Baht/MT, insurance ***Baht/MT, shipping charges ***Baht/MT and clearance and handling ***Baht/MT. The net export price at ex-factory level is thus determined as ***Baht/kg.

Dumping Margin:-

Submissions by M/s. Thai Acrylic Fibre Co. Ltd. on dumping margin:

27. The exporter M/s. Thai Acrylic has accepted the Disclosure as regards the normal value. As regards export price they have argued that the net export price has been understated resulting in higher dumping margin of 12.39%. According to them the difference between the calculations has arisen because of the conversion of export price into Thai Baht at the exchange rate prevailing on the date of invoice. According to them there was no requirement to convert US\$ export price into Thai Baht for the fair comparison in as much as the export proceeds are realized in Thai Baht and are recorded in the books of account at the actual amounts realized. According to the exporter para 6(iii) of Annexure-1 has no application whatsoever to the facts of this case.

Examination by the Authority

28. The Authority followed the consistent practice of adopting the principles governing the determination of Normal Value, Export Price and Margin of Dumping as laid down in Annexure I to the anti-dumping rules. Dumping margin has been determined on the basis of a fair comparison of Export Price with the Normal Value in pursuance of the principle laid down in Para 6 of Annexure-1 to the Rules. The comparison is at the same level of trade, i.e. Ex-factory level.

29. The Authority had found during the verification that the exporter records the export sales made in US\$ in its books of accounts in Thai Baht at the exchange rate prevalent on the date of invoice/sale. The actual realization of export proceeds takes place at a later date when the exchange rate would be

different. The exporter makes adjustments in its books of accounts due to this exchange rate. Rule 6(iii) of Annexure-1 states, inter-alia, that :

"when the comparison under this para requires a conversion of currencies, such conversion should be made by using the rate of exchange on the date of sale,".

For the purpose of determining the dumping margin the provisions of Rule 6(iii) of Annexure-1 as stated above are very clear and unambiguous. Therefore the Authority has considered the exchange rate between US\$ and Thai Baht on the date of sale for export transactions to India. The Authority does not find merit in the argument of the exporter that para 6(iii) has no application in this case as the exporter itself records the export sales to India in its books of accounts by converting US\$ to Baht at a given exchange rate.

Accordingly, in respect of M/s. Thai Acrylic Fibre Co. Ltd., the dumping margin arrived at is 12.39% of export price.

Dumping margin in respect of other exporters of Thailand

30. As regards other exporters, if any, from Thailand the Authority has determined the dumping margin taking into account the normal value as determined for M/s. Thai Acrylic Fibre and the lowest export price from the available information. The dumping margin is arrived at 27.46% of the export price

Dumping margin in respect of exporters from USA and Korea

31. The Authority has worked out a common Dumping Margin for all the exporters from USA and Korea in the absence of cooperation from any of the Exporters. On the basis of these calculations the Dumping Margin works out to 29.90 % of net Export Price for USA and 16.53% for Korea.

F. INJURY

Views of the domestic industry:

32. The Designated Authority is required to examine whether the cessation of the existing duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury. The injury to the domestic industry is, therefore, required to be

examined in the context of its continuation or recurrence. Further, existence of anti dumping duty in force is required to be kept in view while examining the injury to the domestic industry.

33. The period of investigation determined by the Designated Authority for the present review investigation is 2000-01. The domestic industry suffered injury due to dumping in this period from various countries, including the subject countries, investigation against which are either under progress or anti-dumping duty is in force. Thus, the injury to the domestic industry is required to be seen in the light of existing duties and on-going investigations against other countries.

34. Annexure II to the Rules provides for cumulation of injury to the domestic industry. A number of investigations are in progress for this product covering the same investigation period as that of present. Thus, the injury to the domestic industry collectively from all these sources is required to be seen while examining the injury to the domestic industry.

35. We have already provided detailed information to the Designated Authority clearly establishing that the cessation of the existing anti dumping duty is likely to lead to continued injury.

36. Further M/s. Thai Acrylic fibre (responding exporter) is exporting Acrylic Fibre since more than five years in the Indian market at dumped prices. The Designated Authority has conducted three investigations earlier against Thailand. There has been repeated claim of the exporter M/s. Thai Acrylic Fiber Company that there was no dumping by them or the dumping margin were de-minimus. It is important to note that in all the investigations, the Designated Authority found significant dumping and dumping margin quite contrary to the claim of the exporter.

Views of exporter M/s. Thai Acrylic Fibre:

37. Annexure II of the anti-dumping rules lays down the principles for determination of injury. Paras (ii) and (iv) of the Annexure indicate a list of factors that are required to be evaluated by the authority in order to arrive at a conclusion on the existence or otherwise of material injury. The 15

parameters are required to be compulsorily evaluated and a finding on each of these parameters is required to be given in the published findings. The 15 factors mentioned in Paras (ii) and (iv) are *pari materia* with Article 3.4 of the Agreement on Anti-dumping.

38. The authority is aware that the Government of India had raised a dispute in the Cotton Type Bed Linen case that the evaluation of all the factors listed therein is compulsory and since the EU did not do so, the finding was contrary to the Agreement on Anti-dumping. A panel of the WTO went into this dispute and ruled in favour of India. The ruling was appealed by EU and the appellate body of the WTO confirmed the panel finding.

39. In view of the above finding in which India was a party, it is imperative that the Designated Authority evaluates all the 15 parameters. It is seen from Part IV of the petition that only production, capacity utilisation, sales volume, selling prices evidence of last contracts or declining sales, employment and profitability have been dealt with. The remaining parameters have not been dealt with.

40. The domestic industry had projected a fall in production of 6598MT in 2000-01 as compared to the previous year. The sales volume has declined from 70591 to 59119MT i.e. a fall of 11472 MT. It has been submitted by the Domestic industry that the decline in sales volume of 17% is directly due to the shifting of some of the customers to dumped imports. This conclusion is totally erroneous. As per the petition, the total volume of imports including 5501.30 and 5503.30 from the 3 countries is 2266.73MT. A fall in sales volume of 11472MT cannot be "directly due to shifting of some of the customers to dumped imports" as the allegedly dumped imports are only 2266.73MT. Further, all exports from Thailand were to advance licence holders and hence the quantum corresponding to that cannot be treated as lost sales. Hence the decline in production and the decline in sales volume are not at all due to the alleged dumping from these 3 countries. The projection by the domestic industry is, therefore, incorrect.

41. The profitability index shows that the domestic industry had made losses in each of the years 98-99, 99-2000 and 2000-01. It has been suggested that the losses have increased because of the dumped imports.

42. It is seen from the import statistics that Acrylic Fibre falling under 5503.30 has been imported during the period of review from 18 countries. Of these 18 countries, anti-dumping duty is in force, or anti-dumping investigation is in progress in respect of Thailand, Korea, USA, Brazil, Bulgaria, Italy, Spain, Portugal, Japan, UK., Germany, Mexico, Turkey and Taiwan. The volume of import from the remaining countries, individually and collectively, is far below the de-minimis level. Thus, imports from all parts of the world into India have been subjected to anti-dumping duty/investigation. Yet the domestic industry is not able to earn a profit despite operating at very high levels of capacity utilisation i.e. 85% to over 100%. This implies inherent problems within the domestic industry, which are being attributed to imports from one country or the other.

43. It may also be pertinent to note that Thai Acrylic had increased its profitability in 2000 as compared to 1999. Further, in 2000-01, the allegedly dumped imports into India had fallen. In this scenario each of the domestic producers has posted higher losses in 2000-01 compared to 1999-2000, which is contrary to the trend at Thai Acrylic. In fact all the domestic producers did register cash profits in 1999-2000 and Vardhaman Acrylics have also posted a cash profit in 2000-01. Hence the inability of the domestic producers to post a profit in 2000-01 is entirely due to their internal reasons of operations and higher cost of production and are not at all caused by the alleged imports from Thailand to India.

Submissions made by Indian Spinners Association:

44. As per Indian Spinners Association the position of different parameters is as under:

(i) Production of domestic producers

The production of Acrylic Fibre was 82 million kg in 1996. After a drop in the next three years, production improved sharply to 99.43 million kg in 2000-01 and year 2001-02 is expected to record a production of 104 million kg. This shows an increase of 32% in a period of two years. The Acrylic production has outperformed the index of industrial production in the

recent period. It is clear that the industry has turned the corner and is now firmly set on a growth trajectory.

(ii) **Capacity**-The capacity of Acrylic Fibre has increased to 121 million kg by end of 2000 and further to 137.50 million kg by March 2001 showing a growth of 40% in a period of 3 years.

(iii) **Capacity utilization**-The capacity utilization was around 80% in the earlier years and has recorded a rise to 86-87% in the current period.

(iv) **Market share**- The market share of the domestic producers has increased from 69.45% in 1997-98 to 86.7% in 2000-01 and is expected to improve to 96.98% in 2001-02. Thus, the domestic manufacturers have captured practically the total domestic market and they cannot have any grouse in this regard.

(v) **Price factor**-The argument of the domestic producers that price did not increase commensurate with the increase in cost of production does not hold water. The price of acrylonitrile increased by 12% in 1999-2000 and by 57% in 2001-02 both over 1998-99. Since acrylonitrile accounts for 67% of the cost of production, it means that cost of Acrylic Fibre increased by 8% in 1999-2000 and by 38% in 2000-01.

(vi) **Causal Link**-Despite all favourable parameters enumerated above, if domestic manufacturers are still limping as claimed by them, then it is not because of imports of Acrylic Fibre, but due to their inherent difficulties.

(vii) **Other favourable factors**-It needs to be mentioned here that in the budget for 2001-02, the customs duty on acrylonitrile has come down from 40.55% to 38.74% because of withdrawal of surcharge of 5%. The unchecked imports of Acrylic Yarn from Nepal at concessional duty had become an irritant both to domestic producers as well as consumers. Government have imposed anti-dumping duty on Acrylic Yarn coming from Nepal in terms of Notification No. 105/2001-Cus dated 10th October, 2001.

.....

Examination of Injury and Causal Link by the Authority:-

45. As per Section 9A(5) of the Act read with Rule 23 of Rule supra, in a review, the Designated Authority has to come to a conclusion that the cessation of the existing anti dumping duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury.

46. As per the provisions contained in para (iv) of Annexure-II of Anti Dumping Rules, the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned shall include an evaluation of all relevant economic indicators and indices having a bearing on the state of the industry, including natural and potential decline in sales, profits, output market share, productivity, return on investments or utilization of capacity, factors affecting domestic prices, etc.

47. The domestic industry has furnished information on various economic factors/indices relating to injury determination, viz., natural and potential decline in sales, profits, market share, productivity, return on investments, utilization of capacity, factors affecting domestic prices, effects on cash flow, inventories, employment, wages, etc.

48. The Authority has, therefore, taken into account the aforesaid indices regarding injury and the existing anti-dumping duty on Acrylic Fibre imports, while doing the final determination so as to arrive at conclusions as to whether the withdrawal of existing anti-dumping duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury.

In view of the above, the Authority examined all relevant parameters for determination of injury as follows:

(i) Quantum of imports:

(Imports in kgs / Source: DGCI&S)

	1998-99	1999-00	2000-01
Korea RP	787677	1447425	950320
Thailand	7227669	1076761	1263692
USA	260552	169068	52720
Imports from	24307845	11564538	11700754

other sources			
Total imports	32583743	14257792	13967486

(ii) Demand of Acrylic Fibre & Market share (in MT)

	1998-99	1999-00	2000-01
Total domestic sales	79019	98750	98340
Total imports	32584	14258	13967
Total demand	111603	113008	112307
Share of imports from subject countries (%)	7.42	2.38	2.02
Share of petitioner domestic industry (%)	51.54	62.47	52.64
Share of total Indian industry (%)	70.8	87.38	87.56

(iii) Production and capacity utilization (in MT) *

	1998-99	1999-00	2000-01
Installed capacity	70500	73000	73000
Production	59168	67943	61345
Capacity utilization (%)	83.93	93.07	84.03

* In respect of petitioner domestic industry.

(iv) Sales of domestic industry (in MT)

	1998-99	1999-00	2000-01
Sales of petitioner companies	57524	70591	59119

(v) Price undercutting

	1998-99	1999-00	2000-01
Average selling price of domestic industry	***	***	***

(Rs./kg)			
Landed value Ave. (Rs./kg)	55.04	63.44	78.39
Price undercutting	+ve	+ve	+ve

(vi) Price suppression

	1998-99	1999-00	2000-01
Minimum landed value	***	***	***
Average cost of production	***	***	***
Price suppression(%)	***	***	***

(vii) Closing stock of domestic industry (MT)

	1998-99	1999-00	2000-01
Closing stock	1234.41	750.5	2551.68

(viii) Profitability

All the three petitioner companies have incurred losses as per balance sheet and profit and loss account for the year 2000-01.

(ix) Return on investments

The Authority finds that the domestic industry has recorded negative return on investment during the year 2000-01 in spite of imposition of anti-dumping duty on a number of sources.

(x) Actual and potential negative cash flow

The cash flow of the petitioner companies was negative in 1998-99, which became positive in 1999-2000 and was again negative in 2000-01.

(xi) Employment

The employment level with the domestic industry increased between years 1997-98 and 1998-99 due to addition of capacity. However, the

domestic industry had to resort to curtailment of employment to the extent possible due to continued adverse financial position.

(xii) Wages

The domestic industry had to increase the wages of its employees due to prevailing regulations.

(xiii) Ability to raise capital investment

The constituents of domestic industry had to undergo financial restructuring with great difficulty and the financial institutions are hesitant to lend funds to the domestic industry due to continued losses.

49. The above indicators demonstrate the following:

- (i) The quantum of imports of subject goods from the subject countries has gradually declined from year 1998-99 to the period of investigation.
- (ii) The overall demand for Acrylic Fibre has not undergone any significant change during the POI when compared to the year 1998-99.
- (iii) The share of imports from subject countries has come down to 2.02% during POI from 7.42% during 1998-99.
- (iv) The share of domestic industry that had increased to 62.47% during 1999-00 has come down to 52.64%.
- (v) The production and capacity utilization of the petitioner domestic industry has come down to 84.03% during POI in comparison to 93.07% during previous year.
- (vi) Sales of petitioner domestic industry has come down to 59119 MT during POI from 70591 MT in 1999-00.
- (vii) There has been significant price undercutting due to the dumped imports.
- (viii) The domestic industry has not been able to realize a fair selling price on its product as the landed value of imports have suppressed the price of domestic industry.
- (ix) Closing stock of the domestic industry has increased significantly during POI.

- (x) The petitioner domestic companies have incurred losses as reflected from their balance sheets and the domestic industry has recorded negative return on investment.
 - (xi) The cash flow of the petitioner companies was negative during the POI.
 - (xii) Due to the adverse financial position there was a negative effect on the level of employment. However, the industry was under obligation to increase the wages of its employees due to existing regulations.
 - (xiii) As the industry was making losses financial institutions were hesitant to lend funds to the domestic industry.
-

Conclusion on injury and causal link:

50. The Authority notes that while the quantum of imports of subject goods has declined during the period of investigation all other vital economic indicators having a bearing on the state of the domestic industry have shown lack of improvement in the period of investigation which shows that the domestic industry continues to suffer material injury in spite of existing anti dumping duties.

51. The Authority holds that it may be inappropriate to hold that the imports from the subject countries would not cause injury to the domestic industry in the light of the existing economic parameters. The improvement in any economic parameter could be a result of the existing anti dumping duties. The injury to the domestic industry would, however, recur in case the product is sold at dumped prices and the imports are entering at such prices in India which are lower than the non injurious price of the domestic industry. The Authority concludes that in view of overall assessment of economic parameters affecting the domestic industry the removal of anti dumping duty is not warranted.

52. While determining the non-injurious price for the like articles for the domestic industry, the Authority has used the actual cost of production of the subject goods to determine optimum cost of production for the domestic industry taking into account the normated best consumption norms and the actual price of the raw materials which are consumed for the production of the subject goods during the period of investigation. For calculation of injury margin, the ex-factory non-injurious price determined for the period of

investigations has been compared with the landed value of the imported goods.

.....

G. INDIAN INDUSTRY'S INTERESTS AND OTHER ISSUES:

(a) Exclusion of Homopolymer Acrylic Fibre from anti-dumping duty:

Submissions made by M/s. Supreme Nonwovens Ltd., Mumbai:

53. They are manufacturers of nonwoven industrial fabrics. A large part of their production is Filter Media for Back filters used for Pollution control. As they have the facility and know-how for processing specialty fibres for filter applications they have started manufacturing and marketing these fabrics by importing the specialty fibres. Homopolymer (100% Acrylo Nitrile) Acrylic Fibre is one such fibre. This is resistant to Hot Alkaline conditions whereas standard acrylic (85% Acrylo Nitrile) Fibre is not. Homopolymer Acrylic Fibre is not manufactured by any fibre manufacturer in India and the domestic manufacturers of Acrylic Fibre have given regret letters to this effect. Therefore, Homopolymer Acrylic Fibre cannot be clubbed with standard Acrylic Fibre for anti-dumping duty for the following reasons:

- (i) It is not made in India.
- (ii) It does not compete with product made from standard Acrylic Fibre.
- (iii) It is priced much higher than locally manufactured regular Acrylic Fibre.
- (iv) It is used to manufacture Needle Punched Nonwoven Filter Media and industrial fabric, currently imported, without imposition of anti-dumping duty.
- (v) It is irrational to impose anti-dumping duty on inputs when finished goods, i.e. Filter Media using the same inputs can be imported without attracting anti-dumping duty.

54. The importer has further submitted that during the public hearing held on 10.1.2002 the representatives from the Acrylic Fibre Manufacturer had confirmed that they do not manufacture Homopolymer Acrylic Fibre containing 100% Acrylo Nitrile currently being imported from Korea. It has been further requested that a suitable notification be issued exempting Homopolymer Acrylic Fibre from anti-dumping duty as this would

immensely help domestic industry to substitute import of finished material and thereby saving the country from foreign exchange.

Domestic industry's views:

55. The product under consideration in the present investigation is "Acrylic Fibre". Homopolymer Acrylic Fibre is nothing but "a type of Acrylic Fibre". The acrylic fibre produced by the domestic industry is a like article to the product imported from the subject countries. As per anti dumping Rules:

"like article " means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;

56. The relevant parameter is whether the domestic industry is in production of "like article". The domestic industry is not required to be in production of "product under consideration", the domestic industry is required to be in production of "like article".

57. We also draw kind attention of the Designated Authority to the investigations relating to acrylic fibre from, inter-alia, Japan for the same product, wherein the issue of "specialty fibre", "conjugate acrylic fibre", etc. were raised by the Japanese producers. It was held by the Designated Authority that the acrylic fibre being produced by the domestic industry was a like article to the acrylic fibre being imported from Japan and no exclusion was granted by the Designated Authority.

58. It is also relevant to point out that the interested party has not enclosed technical specification, etc. of the homopolymer acrylic fibre.

59. The domestic industry has further argued that as regards exclusion of homopolymer Acrylic Fibre from the scope of the duty, the relevant issue is whether this type Fibre is like article. The test of like article applied by the Directorate in the matter relating to anti-dumping duty on Acrylic Fibre imports from Japan is equally applicable to the present review. It has been admitted that the price of the homopolymer fibre is much higher than the price of normal Acrylic Fibre. In the event the Designated Authority is of

the view that such homopolymer is not a like article to the goods produced by the domestic industry then the Authority may specify a benchmark price at which such homopolymer can be imported.

Examination by the Authority:

60. The Authority has examined the views of M/s. Supreme Nonwovens Ltd., and the domestic industry. While it may be true that Homopolymer Acrylic Fibre also gets covered under the same custom heading under which Acrylic Fibre is covered, imports of same do not tend to displace the demand of locally produced Acrylic Fibre. This is due to the fact that Homopolymer Acrylic Fibre has 100% Acrylo Nitrile content. It has been confirmed by the domestic producers of Acrylic Fibre, viz., M/s. Pasupati Acrylon Ltd., M/s. Consolidated Fibres and Chemicals Ltd., and M/s. IPCL that they do not manufacture Homopolymer Acrylic Fibre. The export price of Homopolymer Acrylic Fibre is also much higher than the locally made Acrylic Fibre. The Authority finds that Homopolymer Acrylic Fibre is not commercially substitutable by the Acrylic Fibre produced by domestic industry and hence the imports of Homopolymer Acrylic Fibre do not cause injury to the domestic industry as these imports do not displace the demand of domestically produced Acrylic Fibre. Therefore the Authority proposes to exclude the same from the recommendation for imposition of anti-dumping duty. Taking into account the concerns of the domestic industry, the Homopolymer Acrylic Fibre being exempt from anti dumping duty would be those which are priced at US\$ 2.40/kg. and above CIF – Indian port. Further, this export price would be linked to variation in the Acrylic Fibre price due to increase/decrease in the international price of main raw material Acrylo Nitrile. This CIF price of US\$ 2.40/kg. would be recalculated in case of a variation of 10% (+/-) in the Acrylo Nitrile (ACN) price. The base price of ACN has been considered as \$ 940/MT.

61. The Authority reiterates that the purpose of anti dumping duties in general is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

62. The Authority recognises that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the product in India. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures. On the contrary, imposition of anti dumping measures would

remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. The Authority notes that the imposition of anti dumping measures would not restrict imports from subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

H. FINAL FINDINGS

63. After considering the foregoing the Authority concludes that –

- (i) Acrylic fibre has been exported from the subject countries to India below its normal value;
- (ii) the domestic industry is suffering injury;
- (iii) the injury may intensify if anti dumping duty is removed.

64. It is therefore considered appropriate to recommend continuation of the anti dumping duties in force on imports of Acrylic Fibre covered under Chapter 55 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, originating in or exported from USA, Korea (RP) and Thailand. The Authority proposes to recommend the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping or the injury margin whichever is lesser, which if levied, would remove the injury to the domestic industry. For the purpose of determining injury margin, the landed price of imports has been compared with the non injurious selling price of the domestic industry determined for the period of investigation. The revised duties may come into force from the date of notification to be issued in this regard by the Central Govt. The anti dumping duty shall be as follows:-

Country	Producer/Exporter	Anti dumping duty (US\$ per kg.) *
USA	All exporters	0.366
Korea (RP)	All exporters	0.225
Thailand	Ms/. Thai Acrylic Fibre Co. Ltd.	0.16
Thailand	Other exporters	0.313

* Subject however to the condition that imports of Homopolymer Acrylic Fibre containing 100% Acrylonitrile from subject countries, when made at a price US\$ 2.40/kg and above CIF-Indian port, would be exempt from the

levy of above anti-dumping duty. Variation of 5% in this price shall be permissible. The price of US\$ 2.40/kg. for Homopolymer Acrylic Fibre shall be revised appropriately in proportion to changes in the international price of major raw material Acrylonitrile beyond 10% from the base price of US\$ 940/MT. For this purpose international prices of Acrylonitrile as reported in the journal 'Tecnon' or PCI Consulting shall be applicable.

65. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

66. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act, *supra*.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority

